शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 342 | गुवाहाटी | शनिवार, 18 जुलाई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वंदे मातरम का अपमान करने वालों पर होगी बड़ी कार्रवाई पेज 2
असम विधानसभा में मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के आरोपों पर भाजपा ने... पेज 3
...जब प्रोटोकॉल तोड़कर बच्चों से रूबरू हुए प्रधानमंत्री, छात्रा की कैप पर दिए ऑटोग्राफ पेज 5
कोहली और गंभीर के बीच किसी ब्रिज की जरूरत नहीं : सीतांशु कोटक पेज 7

असम में 8,457 मेगावाट बिजली उत्पादन

सरकार ने 77,353 करोड़ रुपए के निवेश की योजना बनाई

गुवाहाटी। असम ने 8,457 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए जलविद्युत, सौर, तापीय और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 77,353 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना का अनावरण किया है, जो राज्य के बिजली क्षेत्र के इतिहास में सबसे बड़ा निवेश है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य का लक्ष्य अपनी बिजली उत्पादन क्षमता को वर्तमान 450 मेगावाट से बढ़ाकर 8,457 मेगावाट करना है। एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का असम बड़े सपने देखता है और उन्हें पूरा भी करता है। बिजली क्षेत्र में 77,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आने वाले दिनों में 8,000 मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन करेगा, जिससे एक विकसित असम की यात्रा को गति मिलेगी। राज्य का बजट पेश करते हुए असम के वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने कहा कि राज्य का विद्युत क्षेत्र परिवर्तनकारी दौर में प्रवेश कर रहा है, जिसमें जलविद्युत, सौर, तापीय और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 77,353 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना है। उन्होंने कहा कि असम का विद्युत क्षेत्र परिवर्तन के दौर में प्रवेश कर रहा है, जिसमें जलविद्युत, सौर, तापीय और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 77,353 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना है – जो राज्य के इतिहास में इस तरह का सबसे बड़ा निवेश है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का वित्तपोषण राज्य के अपने संसाधनों, केंद्र प्रायोजित योजनाओं, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं और सार्वजनिक–निजी भागीदारी के संयोजन से किया जाएगा। वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश अपनी विशाल जलविद्युत क्षमता का दोहन करने में तेजी से प्रगति कर रहा है। असम भी हरित ऊर्जा से समृद्ध है, और हम इस क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हम असम को बिजली अधिशेष वाला राज्य और पूर्वोत्तर भारत का हरित ऊर्जा केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार ने बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और सतत औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए पंप स्टोरेज पावर (पीएसपी) परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में 4,900 मेगावाट की संयुक्त क्षमता और लगभग 27,100 करोड़ रुपए के अनुमानित निजी निवेश वाली चार पीएसपी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 120 मेगावाट की लोअर कोपिली जलविद्युत परियोजना परीक्षण चरण में प्रवेश कर चुकी है और पहले से ही ग्रिड को लगभग 55 मेगावाट बिजली की आपूर्ति कर रही है। परियोजना के जुलाई 2026 तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। असम के वित्त मंत्री ने कहा कि बिलासिपारा में प्रस्तावित 3,200 मेगावाट के तापीय विद्युत संयंत्र पर अनुमानित 4,000 करोड़ रुपए का निवेश और 11 नई जलविद्युत परियोजनाएं, जिनकी कुल प्रस्तावित क्षमता 137.2 मेगावाट और अनुमानित निवेश 2,617 करोड़ रुपए है, योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न –शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने किया स्पष्ट, कहा–

नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर साफ किया है नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का अधिकार नहीं है। पश्चिम बंगाल एसआईआर विवाद पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि आयोग का अधिकार केवल मतदाता सूची के नियंत्रण और पर्यवेक्षण तक सीमित है। इसलिए कानून की स्थिति में कोई भ्रम नहीं है। अदालत ने कहा कि कोई ट्रिब्यूनल किसी व्यक्ति का नाम एसआईआर सूची में शामिल न करने का फैसला देता है तो चुनाव आयोग को नागरिकता निर्धारण के लिए मामला संबंधित मंत्रालय को भेजना होगा। मतदाता सूची में नाम ना होने से नागरिकता अपने आप खत्म नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई जिसमें आरोप लगाया गया है कि मतदाता सूची से नाम हटाए गए लोगों को पीडीएस, अन्नपूर्णा योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है। मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी। अदालत में सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा कि नागरिकता तय करना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक अधिकार नहीं है। आयोग का अधिकार केवल –शेष पृष्ठ दो पर

पांच रुपए प्रति लीटर सब्सिडी से असम के डेयरी सेक्टर को मिलेगा बढ़ावा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 17 जुलाई को कहा कि राज्य की 5 रुपए प्रति लीटर दूध उत्पादन सब्सिडी ने डेयरी क्षेत्र को काफी मजबूत किया है, जिससे दूध की खरीद और सहकारी समितियों में किसानों की भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुई है। एक्स पर एक पोस्ट में आंकड़े साझा करते हुए, शर्मा ने कहा कि सब्सिडी शुरू होने के बाद से राज्य में दूध की खरीद में 54.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि डेयरी सहकारी समितियों की सदस्यता में 36.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट किया कि हमारी 5 रुपए प्रति लीटर की सब्सिडी –शेष पृष्ठ दो पर

जीवन भर की कमाई समाज को समर्पित

सेवानिवृत्त प्रोफेसर दंपती ने विश्वविद्यालय को दान किए एक करोड़

गुवाहाटी (हि.स.)। त्याग, सादगी और समाजसेवा की अद्भुत मिसाल पेश करते हुए कॉटन कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. पन्नालाल गोस्वामी और डॉ. नंदिता भट्टाचार्य गोस्वामी ने अपनी जीवन भर की मेहनत की कमाई एक करोड़ रुपए कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय को दान कर दी। –शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सत्य भी यदि अनुचित है तो उसे नहीं कहना चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी नहीं होंगे उच्च शिक्षा से वंचित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी पैसे के अभाव में उच्च शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं होंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने दो प्रमुख योजनाएं – नियुत मोईना एवं नियुत बाबू योजना शुरू की है। इन योजनाओं के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की पूरी मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए आज एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि शिक्षा हासिल करने के मामले में किसी भी छात्र–छात्रा की राह में आर्थिक मुश्किल कभी रुकावट न बने, इसी उद्देश्य के साथ हमने एक सस्ती और विशेष व्यवस्था बनाई है। –शेष पृष्ठ दो पर

एसएफआई, डीवाईएफआई ने गुवाहाटी में सोनम वांगचुक का समर्थन किया, केंद्र से बातचीत शुरू करने की मांग की

गुवाहाटी। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) द्वारा केंद्र से कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ बातचीत शुरू करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद, असम में छात्र और युवा संगठनों ने शुक्रवार को इस प्रसिद्ध नवप्रवर्तक के साथ एकजुटता व्यक्त की और राष्ट्रीय परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक, शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार और परीक्षाओं के निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही के मुद्दे पर सरकार के साथ बातचीत की उनकी मांग का समर्थन किया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) की असम राज्य समितियों ने वांगचुक के समर्थन में गुवाहाटी के नेहरू पार्क के सामने प्रदर्शन किया, जिनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुक्रवार को 20वें दिन में प्रवेश कर गई। सभा को संबोधित करते हुए, एसएफआई के एक नेता ने केंद्र की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत करने से इनकार कर दिया। उन्होंने पूछा कि यह अजीब बात है कि सरकार इस मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार नहीं है और जवाबदेही नहीं लेना चाहती। लोकतंत्र में, चुने हुए प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि –शेष पृष्ठ दो पर

नीट–यूजी 2026 में धुबड़ी के लड़के ने हासिल की एआईआर 213

विश्वनाथ/नलबाड़ी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट–यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के बाद असम के छात्रों ने एक बार फिर राज्य को गौरवान्वित किया है, जिसमें धुबड़ी और नलबाड़ी के उम्मीदवार उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वालों में शामिल हैं। राज्य की सफलता की कहानी में सबसे आगे धुबड़ी के तस्विन मुत्ताकी सरकार हैं, जिन्होंने अपने पहले ही प्रयास में प्रभावशाली 685 अंक और अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 213 हासिल की, जिससे वे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में देश के शीर्ष –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आंध्र में अब तक 12 कोविड के मामले चार की मौत

अमरावती (हि.स.)। आंध्र प्रदेश में पिछले बीस दिनों से अब तक कोविड–19 के 12 मामले सामने आए हैं और इस अवधि में चार मरीजों की मौत हुई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरने वाले वे लोग हैं, जो पहले से ही कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। स्वास्थ्य सचिव –शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद में स्कूल वैन की लोकल ट्रेन से टक्कर, चार की मौत

कोलकाता/मुर्शिदाबाद (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह स्कूल वैन की लोकल ट्रेन से टक्कर में तीन स्कूली बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे और वैन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। यह हादसा –शेष पृष्ठ दो पर

एक शादी करने वाले को ही मिलेगा एमपी में रहने का अधिकार : सीएम

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने बड़ा बयान दिया है। कटनी में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक देश एक विधान एक निशान तो हिंदू का कानून अलग, मुस्लिम का कानून अलग क्यों होना चाहिए? सबका एक कानून होना चाहिए। राम एक शादी करेगा तो रहीम दो तीन चार तक क्यों? जो एक शादी करेगा उसी को प्रदेश में रहने का अधिकार मिलेगा। सीएम ने कहा कि प्रस्तावित यूसीसी के तहत राज्य में रहने का अधिकार सिर्फ एक शादी करने वाले व्यक्ति को ही होगा। अगर कोई तीन तलाक देता है तो उसे सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। तीन तलाक का दौर अब खत्म हो चुका है। सीएम ने कहा कि हम चाहते हैं कि राज्य में किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव ना हो। हम सभी भारत माता की संतान हैं। ऐसे में भेदभाव का सवाल ही नहीं उठता है। आने वाले मानसून सत्र में हम ये बिल पेश करने जा रहे हैं। विधानसभा में बिल लाने से पहले हम इसे भोपाल के जगदीशपुर में होने वाली बैठक में इसे मंजूरी देंगे। बता दें कि राज्य सरकार 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक पेश करने की तैयारी –शेष पृष्ठ दो पर

अनशनरत सोनम वांगचुक को मिला कांग्रेस का साथ

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा और उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने जंतर–मंतर पर अनशनरत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनकी मांगों के प्रति पार्टी का समर्थन व्यक्त किया। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर यह जानकारी दी। दीपके ने बताया कि छत्तीसगढ़ के –शेष पृष्ठ दो पर

असम में चावल, चीनी, खाद्य तेल और अंडों के दाम में उछाल से बिगड़ा रसोई का बजट

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में नित्य उपयोग की आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से आम लोगों की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बीते एक सप्ताह के दौरान चावल, चीनी, खाद्य तेल, प्याज और अंडों के दाम में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बाजार में सबसे अधिक असर चावल की कीमतों पर देखने को मिला है। बीपीटी चावल की कीमत में प्रति किलोग्राम लगभग आठ रुपए की वृद्धि हुई है। पहले 26 किलोग्राम की एक बोरी 1,220 रुपए में उपलब्ध थी, जो अब बढ़कर –शेष पृष्ठ दो पर

सिर्फ भाजपा ही दे सकती है पंजाब को तीव्र विकास, बेहतर अवसर व सुशासन : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लुधियाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब को तीव्र विकास, बेहतर अवसरों और सुशासन की आवश्यकता है और केवल भाजपा ही इन आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। जनता की सेवा करने के लिए ईमानदार इरादे और सत्यनिष्ठा की भावना आवश्यक है। हालांकि पंजाब में वर्तमान आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार में ऐसा कोई भी गुण नहीं है। इसे *कट्टर बेईमान पार्टी* के नाम से जाना जाता है। राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी विज्ञापनों के दम पर राज्य के साथ किए जा रहे विश्वासघात को छिपाने की कोशिश कर रही है। राज्य में कानून व्यवस्था बेहाल है। व्यापार करना मुश्किल है और सरेआम फिरौती मांगी जा रही है। थाने तक सुरक्षित नहीं है। पंजाब सरकार पर केंद्र सरकार की धनराशि सही दिशा में उपयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी लूट और उधार ली गई धनराशि से फल–फूल रही है। पंजाब के नाम पर ऋण लिए जा रहे हैं। राज्य का बजट इस ऋण पर ब्याज –शेष पृष्ठ दो पर

शिवपुरी में नरवर किले से 500 साल पुरानी और 3000 किलो की तोप चोरी

क्रेन–ट्रक लेकर आए थे 30 बदमाश

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित ऐतिहासिक नरवर किले से हथियारबंद बदमाशों ने सिंधिया राजवंश की 500 साल पुरानी तोप चोरी कर ली है। इस वारदात ने किले की सुरक्षा व्यवस्था और पुरातत्व विभाग के संरक्षण के इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नरवर के किले में 14 तोपें रखी गई थीं, ऐतिहासिक तोप चोरी होने के बाद अब यह संख्या 13 रह गई है। पुलिस के अनुसार, 5 और 16 जुलाई की दरम्यानी रात करीब 25 से 30 हथियारबंद बदमाश किले में घुसे। बदमाश अपने साथ क्रेन और ट्रक जेसी मशीनें लेकर आए थे। किले के ओपन कचहरी परिसर में रखी 14 ऐतिहासिक तोपों में से 3000 किलो वजनी अष्टधातु की एक तोप को उठाकर ले गए। घटना के समय ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी ने बताया –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

वंदे मातरम का अपमान करने वालों पर होगी बड़ी कार्रवाई

मानसून सत्र में बिल लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का अपमान करने या उसके गायन में बाधा डालने वालों के खिलाफ अब कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्र सरकार आगामी 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद सत्र में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश करने की तैयारी में है। इसके साथ ही सरकार लोकसभा में पेश किए जाने वाले विधेयकों में से एक में जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को और अधिक सख्त बनाने की तैयारी में है। आइए जानते हैं आगामी सत्र में सरकार कौन-कौन से विधेयक लाने की तैयारी में है। यह गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बाद आया है, जिसमें आधिकारिक कार्यक्रमों में जहां राष्ट्रगान *जन गण मन* बजाया जाता है, वहां राष्ट्रगान बजाना या गाना अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पहले ही मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी बिल के लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित हो जाने के साथ ही यह कानून राष्ट्रीय गीत का अपमान करने को दंडनीय अपराध बना देगा, जिससे यह गणतंत्र के अन्य उच्च प्रतीकों, जैसे राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान, की श्रेणी में आ जाएगा, जिनका अपमान करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही पेश किया जा सकता है, और सरकारी सूत्रों का कहना है कि सत्र शुरू होने के बाद ही इसके समय को अंतिम रूप दिया जाएगा। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक को मंगलवार को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव के अनुसार, दो साल के बाद दर्ज किए गए जन्म और मृत्यु को केवल प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही पंजीकृत किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक संसद की उस अध्यादेश को मंजूरी देगा जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है।

जनगणना : 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहला चरण पूरा

नई दिल्ली। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) के लिए स्व-गणना की सुविधा शुक्रवार से तमिलनाडु और त्रिपुरा में प्रारंभ हो गई है। यह सुविधा 31 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। इसके पश्चात 1 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर क्षेत्रीय गणना का कार्य किया जाएगा। इन राज्यों के निवासी आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल सी.सेंसस.गॉव्ट.इन के माध्यम से अपनी स्व-गणना पूरी कर सकते हैं। स्व-गणना पूरी होने पर प्राप्त एसई आईडी को सुरक्षित रखें तथा प्रगणक के क्षेत्रीय भ्रमण के समय उन्हें उपलब्ध कराएं, ताकि एचएलओ प्रक्रिया सुगमता से पूरी की जा सके। इस बीच, केरल और नगालैंड में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का क्षेत्रीय कार्य जारी है, जो 30 जुलाई, 2026 तक चलेगा। जिन परिवारों ने स्व-गणना का विकल्प नहीं चुना है, उन्हें प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर कवर किया जाएगा। अब तक जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 29 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। इनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड शामिल हैं। जनगणना 2027 पहली बार व्यापक स्तर पर डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए आयोजित की जा रही है। आंकड़ों का संकलन समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया जा रहा है, जबकि पूर्ण एवं सटीक कवरेज सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक घर-घर जाकर गणना की व्यवस्था भी यथावत रखी गई है। इस चरण में अधिसूचित 33 प्रश्नों वाली संरचित प्रश्नावली के माध्यम से आवास की स्थिति, परिवार संबंधी विवरण, उपलब्ध सुविधाओं तथा परिवारों के स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की जा रही है। जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत एकत्र की गई सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण एवं विकास योजनाओं के निर्माण के लिए किया जाता है।

दो भाई-बहनों की तालाब में डूबने से मौत

उदालगुड़ी (हिंस)। असम के उदालगुड़ी जिले के गरुवाझार क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक हादसे में दो भाई-बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि दोनों बच्चे घर के समीप तालाब में नहाने गए थे, जहां यह हादसा हुआ। मृत बच्चों की पहचान गरुवाझार निवासी नौ वर्षीय छिदुल अली और आठ वर्षीय इकरामुल हुसैन के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर मुख्यमंत्री ने गुरुवार देर रात फेसबुक लाइव के दौरान धर्म, भूमि सुधार, रोजगार, शहरी विकास और चाय उद्योग से जुड़े कई महत्वपूर्ण एलान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर कामाख्या कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा, जिस पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मिशन बसुंधरा से अब तक 10 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। साथ ही 25 दिसंबर से मिशन बसुंधरा 4.0 शुरू किया जाएगा। भूमि संबंधी शिकायतों और सुझावों के लिए जल्द ही एक विशेष पोर्टल भी शुरू किया जाएगा।

सेवा नियमों के उल्लंघन पर एसीएस अधिकारी अरूप कुमार चक्रवर्ती बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने सेवा नियमों के गंभीर उल्लंघन के आरोपों में असम सिविल सेवा (एसीएस) के अधिकारी अरूप कुमार चक्रवर्ती को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद कार्मिक विभाग की ओर से इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किया गया। आदेश के साथ ही चक्रवर्ती की सरकारी सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई। जारी आदेश के अनुसार, विभागीय जांच में अरूप कुमार चक्रवर्ती पर सरकारी सेवा आचरण नियमों के कई उल्लंघनों के आरोप प्रमाणित पाए गए। सरकार ने माना कि उनका आचरण एक लोकसेवक से अपेक्षित अनुशासन और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं था। आदेश में कहा गया है कि चक्रवर्ती कई महत्वपूर्ण चुनाव संबंधी बैठकों से बिना उचित कारण अनुपस्थित रहे। इसके अलावा वे पूर्व अनुमति लिए बिना कई बार कार्यालय से गैरहाजिर रहे। उन्हें हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन वे परीक्षा ड्यूटी पर भी उपस्थित नहीं हुए। विभागीय रिकॉर्ड में यह भी उल्लेख किया गया है कि उन्होंने ड्यूटी के दौरान शराब का सेवन किया, जिसे सरकारी सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन माना गया। सरकार ने इन सभी आरोपों को गंभीर मानते हुए उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की। बर्खास्तगी के आदेश में स्पष्ठ किया गया है कि अरूप कुमार चक्रवर्ती भविष्य में किसी भी सरकारी विभाग, कार्यालय अथवा सरकारी सेवा में नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

पुरी रथयात्रा में आरएसएस स्वयंसेवकों ने संभाली सेवा और आपात सहायता की जिम्मेदारी

भुवनेश्वर (हि.स.)। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने सेवा और समर्पण की परंपरा निभाते हुए भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सहायता और चिकित्सा सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बीच स्वयंसेवकों ने एंबुलेंस आवागमन सुचारु रखने से लेकर बीमार और घायल श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुंचाने तक विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं। रथयात्रा के दौरान भीड़भाड़ वाले मार्गों पर मानव शृंखला बनाकर एंबुलेंस के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित किया गया। इस पहल के माध्यम से अस्वस्थ हुए श्रद्धालुओं को त्वरित रूप से अस्पताल पहुंचाने में बड़ी मदद मिली। स्वयंसेवकों के अनुशासित और समन्वित प्रयासों की व्यापक सराहना की जा रही है। उत्कल विपन्न सहायता समिति के सहयोग से आरएसएस द्वारा इस वर्ष भी नौ प्रकार की सेवा गतिविधियों का संचालन किया गया। रथयात्रा के दिन समिति के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र पर इन सेवाओं का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आरएसएस ओडिशा पूर्व प्रांत के प्रांत संघचालक समीर कुमार महांती, क्षेत्र सेवा प्रमुख दीपक कुमार राउत तथा समिति के सचिव वी. कृष्ण गोपाल ने दीप प्रज्वलित कर सेवा कार्यों का शुभारंभ किया। स्वयंसेवकों ने घायलों और बेहोश श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुंचाने, स्ट्रेचर सेवा उपलब्ध कराने और अस्पतालों में समन्वय स्थापित करने जैसे कार्यों को व्यवस्थित ढंग से अंजाम दिया। बड़दांडा क्षेत्र में अस्वस्थ हुए श्रद्धालुओं को तुरंत एंबुलेंस तक पहुंचाकर अस्पताल भेजा गया, जहां आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। इस वर्ष ओडिशा के सभी 30 जिलों से 1,800 से अधिक स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। विभिन्न टीमों ने शिफ्टों में एंबुलेंस सेवा, पेयजल वितरण, जल छिड़काव, सफाई व्यवस्था और अस्पताल सहायता जैसे कार्यों को संभाला। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों, फार्मासिस्टों और सहयोगी कर्मचारियों की टीम लगातार सेवाएं दे रही है।

पृष्ठ एक का शेष

सरकार ने 77,353 करोड़ ...

चरणों में हैं। इनके साथ असम अपने इतिहास में पहली बार बिजली अधिशेष हासिल करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है। अगले पांच वर्षों में, हम 15,000 सर्किट किलोमीटर पारेषण और वितरण लाइनों, 120 नए सबस्टेशनों और 20,000 उच्च-वोल्टेज वितरण ट्रांसफार्मरों को जोड़कर असम के विद्युत नेटवर्क को मजबूत करेंगे।

नागरिकता तय करना चुनाव...

मतदाता सूची के नियंत्रण और पर्यवेक्षण तक सीमित है, इसलिए कानून की स्थिति में कोई भ्रम नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच के सामने याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने दलील दी। उन्होंने कहा कि 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों के काम करने के तरीके से व्यावहारिक स्तर पर असंगतियां और देरी पैदा हो रही है। वकील ने कहा कि ट्रिब्यूनलों के कामकाज में बाधाएं हैं और इससे मामलों के निस्तारण पर असर पड़ रहा है। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे, वे अब भी कुछ कल्याणकारी लाभों, जैसे कि सब्सिडी वाला राशन, पाने के हकदार होंगे। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता का राशन कार्ड सस्पेंड किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह सस्पेंशन पश्चिम बंगाल के खाद्य और आपूर्ति विभाग द्वारा जून में जारी एक आदेश के बाद किया गया था। कोर्ट ने उन्हें राहत के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले मई में भी चुनाव आयोग को राहत दी थी। कोर्ट ने आयोग की एसआईआर करने की शक्ति को सही ठहराया। कोर्ट ने माना कि बिहार में वोटर लिस्ट की एसआईआर का आदेश देकर आयोग ने *रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट* (आरपी एक्ट) का उल्लंघन नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने कई राज्यों में वोटर लिस्ट की एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया।

पांच रुपए प्रति लीटर ...

ने दूध की खरीद में 54.65 प्रतिशत की वृद्धि और सहकारी सदस्यता में 36.77 प्रतिशत की वृद्धि को बढ़ावा दिया है, जिससे डेयरी प्रणाली को काफी मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सब्सिडी ने सहकारी समितियों में दुग्ध उत्पादकों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया है, साथ ही दूध की खरीद को भी बढ़ावा दिया है, जो दुग्ध उत्पादन और संगठित विपणन का एक प्रमुख संकेतक है। असम सरकार ने दूध उत्पादकों को समर्थन देने, किसानों की आय बढ़ाने और सहकारी समितियों के नेतृत्व में दूध संग्रहण और खरीद को प्रोत्साहित करके राज्य की डेयरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए 5 रुपए प्रति लीटर का प्रोत्साहन शुरू किया।

सेवानिवृत्त प्रोफेसर दंपती ने ...

डॉ. नंदिता भट्टाचार्य गोस्वामी ने कहा कि धन उनके लिए अब बोझ बन चुका था। उन्होंने कहा कि यह धन आखिरकार जनता का ही था। इसे समाज को समर्पित कर हमने अपना बोझ हल्का किया है। हमारा जीवन मंत्र हमेशा *सादा जीवन, उच्च विचार* रहा है। दंपती के इस प्रेरणादायक कदम की हर ओर सराहना हो रही है। उनका मानना है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि धन संग्रह नहीं, बल्कि समाज के हित में उसका सदुपयोग है। उनका यह दान आने वाली पीढ़ियों के लिए सेवा, सादगी और उदारता का प्रेरक संदेश है। डॉ. पन्नालाल गोस्वामी ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को अपना पूर्व छात्र बताते हुए कहा कि वे मेरे छात्र रहे हैं और मुझे उन पर बेहद गर्व है। प्रोफेसर दंपती की यह महान पहल समाज को यह संदेश देती है कि सच्ची संपत्ति वही है, जो मानवता और शिक्षा के उत्थान में समर्पित हो।

आर्थिक रूप से कमजोर ...

नियुत मोईना और *निजूत बाबू* योजना के जरिए लाखों छात्रों के उच्च शिक्षा के सपनों को हम मजबूत समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वर्ष 2026-27 में इन दोनों योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण खर्च का प्रस्ताव रखते हुए हम फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं कि उच्च शिक्षा के रास्ते में कोई भी बाधा रुकावट नहीं बन सकती। सरकार ने नियुत मोईना योजना के तहत 318.37 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया है, जिसके जरिए 5.33 लाख छात्राओं को मिलेगा लाभ। वहीं नियुत बाबू योजना के तहत 54.97 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके जरिए 1.08 लाख छात्रों को मिलेगा लाभ। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर छात्र के सपने को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है।

एसएफआई, डीवाईएफआई ने ...

वे जनता की बात सुनें। राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं पर चर्चा करने में क्या समस्या है? आंदोलन को राष्ट्रविरोधी करार देने के प्रयासों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। हम भी राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। हम इस देश और अपनी असम भूमि से प्यार करते हैं। हम बेहतर शिक्षा सुधारों और छात्रों के लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। असम से तुलना करते हुए प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सरकारें लोगों की चिंताओं के बजाय कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकारें नागरिकों की चिंताओं को दूर करने के बजाय बड़े निवेशकों के हितों में काम कर रही हैं। भूमि और जन अधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। हम सोनम वांगचुक के साथ खड़े हैं और उन्हें मरने नहीं दे सकते। अगर उन्हें कुछ हुआ तो सरकार को इसका जवाब देना होगा। विरोध प्रदर्शन में शामिल वरिष्ठ पत्रकार मैनी महंत ने कहा कि वांगचुक का कद और समाज में उनका योगदान सरकार की चुप्पी को बेहद चिंताजनक बनाता है। देश भर के छात्र लोगों से सोनम वांगचुक के साथ एकजुटता व्यक्त करने का आग्रह कर रहे हैं। क्या सत्ता में बैठे लोगों ने कभी सोचा है कि वे कौन हैं? वे एक वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, सामाजिक कार्यकर्ता और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता हैं। ऐसे व्यक्ति को इस स्थिति तक धकेलना दुर्भाग्यपूर्ण है, महंता ने कहा। केंद्र के जनसंपर्क संबंधी दावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर नेता जनता से सीधा संपर्क बनाए रखने का दावा कर सकते हैं, तो वे सोनम वांगचुक और कई दिनों से भूख हड़ताल कर रहे छात्रों से बातचीत क्यों नहीं कर सकते? हम वास्तव में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। यह प्रदर्शन आसू अध्यक्ष उत्पल शर्मा द्वारा वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करने और सरकार से बातचीत शुरू करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। शर्मा ने कहा था कि राजनीतिक या वैचारिक मतभेदों के बावजूद, वांगचुक द्वारा उठाए गए मुद्दे देश भर के करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़े हुए हैं। वांगचुक नीट, सीयूआईटी, सीबीएसई और अन्य राष्ट्रीय परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रणाली में अधिक पारदर्शिता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लगभग तीन सप्ताह के उपवास के बाद उनकी सेहत चिंता का विषय बन गई है, और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि उपवास का अगला चरण जानलेवा साबित हो सकता है। हालांकि, वांगचुक ने विरोध प्रदर्शन समाप्त करने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय समर्थकों से 20 जुलाई को संसद तक नियोजित मार्च में भाग लेने का आग्रह किया है। स्वास्थ्य संबंधी बढ़ती चिंताओं और अब तक वार्ता में कोई सफलता न मिलने के बावजूद वांगचुक के अनशन जारी रखने के दृढ़ संकल्प को देखते हुए, उनके अभियान के लिए समर्थन दिल्ली से परे फैलता हुआ प्रतीत हो रहा है, और असम में छात्र समूहों और नागरिक समाज संगठनों के बीच भी इसे समर्थन मिल रहा है।

एक शादी करने वाले ...

में है। इसमें शादी, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन को लेकर समान कानून बनाने का प्रस्ताव है। आदिवासी समुदाय और कुछ घुमंतु जातियों को इस प्रस्तावित यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। मोहन यादव के बयान का यूपी के शाही चीफ मुफ्ती मौलाना चौधरी इफ्राहीम हुसैन ने समर्थन किया है। मौलाना ने कहा कि मोहन यादव का बयान सराहनीय है। इस्लाम भी यही चाहता है कि किसी के साथ अन्याय न हो। जब एक बीवी के साथ न्याय नहीं कर सकते तो दूसरी शादी का हक नहीं। इस्लाम इंसाफ और बराबरी की बात करता है। उन्होंने कहा कि किसी के साथ नाइंसाफी करना इस्लाम के खिलाफ है। अगर कोई कई शादी करके किसी बीवी के साथ भेदभाव करता है या अधिकारों का सम्मान नहीं करता, तो ये इस्लाम के खिलाफ है। इसलिए मोहन यादव का बयान इस्लाम की मूल भावना के अनुरूप है। उनके बयान का स्वागत किया जाना चाहिए।

अनशनरत सोनम वांगचुक ...

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी इस शांतिपूर्ण आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा पवन खेड़ा और राजेंद्र पाल ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन जारी है। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। सोनम वांगचुक और यहां मौजूद छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

असम में चावल, चीनी, खाद्य...

1,410 रुपए तक पहुंच गई है। इसी प्रकार सोनाशक्ति चावल के दाम में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। चीनी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। बाजार में चीनी, जो कुछ दिन पहले तक 48 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही थी, अब 54 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इसी तरह प्याज के दाम में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ छोटे कारोबारियों की लागत भी बढ़ी है। खाद्य तेल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। विभिन्न ब्रांडों के खाद्य तेल के दाम में औसतन पांच रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अंडों की कीमतों में भी लगातार बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। पहले अंडों की एक ट्रे लगभग 220 रुपए में उपलब्ध थी, जो अब बढ़कर 270 रुपए तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर विभिन्न बाजारों में उपभोक्ताओं के बीच नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से हो रही वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नीट-यूजी 2026 ...

प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल हो गए। पुणे के एक कोचिंग कार्यक्रम के छात्र तस्विन ने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासित तैयारी और निरंतर अभ्यास को दिया। उन्होंने कहा कि मैंने सैद्धांतिक अध्ययन की बजाय प्रश्नों को हल करने पर अधिक ध्यान दिया। मैं प्रतिदिन 100 से 200 प्रश्नों का अभ्यास करता था। मैंने अपने पहले प्रयास में 685 अंक प्राप्त किए। उनके पिता मुबारक हुसैन ने कहा कि परिवार ने उनके लक्ष्य को हासिल करने में हर संभव सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि माता-पिता के रूप में, हमने उसकी पढ़ाई के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का भरसक प्रयास किया। एआईआर 213 हासिल करना हमारे परिवार के लिए अत्यंत गर्व की बात है। तस्विन की मां, तस्मीन बेगम ने उम्मीद जताई कि उनका बेटा अपनी इस उपलब्धि का उपयोग समाज की सेवा में करेगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वह एक दयालु डॉक्टर बने जो लोगों की, विशेषकर गरीबों की सेवा करे। तस्विन ने कहा कि अब वह चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं और इस पेशे के माध्यम से समाज में सार्थक योगदान देना चाहते हैं। इस बीच, नलबाड़ी जिले के गुवाकुची गांव के शाहिद आलम ने भी 547 अंक हासिल करके नीट-यूजी 2026 को सफलतापूर्वक पास कर लिया। शाहिद ने घर से पढ़ाई करते हुए ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से परीक्षा की तैयारी की। उनके परिवार के अनुसार, डॉक्टर बनना उनका बचपन का सपना था और उन्होंने अपनी तैयारी के दौरान इस सपने को पूरा करने का दृढ़ संकल्प बनाए रखा। एक मेधावी छात्र, शाहिद ने नलबाड़ी में विज्ञान स्ट्रीम में अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा में विशिष्टता के साथ उत्तीर्ण की। शाहिद ने कहा कि मैं पिछले दो सालों से नीट की तैयारी कर रहा हूं। मेरे परिवार ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैंने कोई तय समय सारिणी नहीं अपनाई, लेकिन मैं हर दिन लगभग 12 से 13 घंटे पढ़ाई करता था। भावी उम्मीदवारों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि चाहे वह नीट हो या जेईई, छात्रों को शुरुआत से ही अनुशासन बनाए रखना चाहिए और अपनी तैयारी में निरंतरता बनाए रखनी चाहिए। उनके पिता ने इस परिणाम को परिवार के एक लंबे समय से संजोए सपने की पूर्ति बताया। हमारे बेटे को नीट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते देखना हमेशा से हमारा सपना था। हम ईश्वर के आभारी हैं। बचपन से ही वह डॉक्टर बनना चाहता था, उन्होंने कहा। उनकी मां ने तैयारी के चरण के दौरान अपने बेटे के अटूट समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि वह पूरी लगन से दिन-रात पढ़ाई करते थे। उनका कोई तय कार्यक्रम नहीं था, बल्कि जब भी उन्हें जरूरत महसूस होती थी, वे पढ़ाई करते थे।

सिर्फ भाजपा ही दे ...

चुकाने में खर्च हो रहा है, जबकि सरकार चलाने वाले लोग उसी धन से मौज-मस्ती कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली आआपा के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को मिली सजा का भी जिक्र किया और कहा कि पार्टी दिल्ली दंगे के दोषी को बचाने का प्रयास कर रही है और कोर्ट के फैसले को मत-मजहब के नजरीये से देख रही है। गुजरात में पार्टी के एक विधायक को सरकारी अधिकारियों से मारपीट और वसूली के मामले में 7 साल की सजा मिली। पंजाब में स्वास्थ्य मंत्री को रिश्वत के आरोप में हटाया गया, जबकि कई अन्य नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों को राज्य में फैली नशे की समस्या के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि पंजाब का भविष्य सुनियोजित तरीके से नष्ट किया जा रहा है। नशीले पदार्थों के तस्कर बेखौफ होकर घूम रहे हैं, जबकि युवा नशे की लत के चंगुल में और भी गहरे धंसते जा रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आआपा के साथ ही अकाली दल और कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस में पार्टी नेतृत्व को लेकर ही संघर्ष बना हुआ है ऐसे में पंजाब के हित में काम किस प्रकार होगा। पंजाब में असली बदलाव भाजपा ही ला सकती है। पंजाब को विकसित, आत्मनिर्भर बनाने का काम भाजपा ही करेगी। पंजाब के विकास में केंद्र की ओर से किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में भले ही भाजपा की सरकार नहीं है लेकिन पार्टी अटूट प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार राज्य की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि आज दौलतपुर चौक और करतौली के बीच नई लाइन भी शुरू हुई है। करतौली से अंबाला के बीच नई रेल सेवा को भी हरी झंडी दिखाई गई है। आज ही लुधियाना बायपास का शिलान्यास, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के एक सेक्शन का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि जालंधर कैंट स्टेशन जाने पर हमें एहसास होगा कि हमारा देश वास्तव में एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। जालंधर कैंट स्टेशन का आधुनिकीकरण हो चुका है और इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी प्रकार आनंदपुर साहिब, मुक्तसर और साहिबजादा अजीत सिंह नगर के स्टेशन भी आधुनिक हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नए रेलवे स्टेशन भी व्यापार और व्यवसाय के केंद्र बन रहे हैं... ये *अमृत भारत* स्टेशन हमारी विरासत और सांस्कृतिक धरोहर की झलक पेश करते हैं। इस दौरान मोदी ने केंद्र में उनकी सरकार के दौरान रेलवे में हुए कायाकल्प की तुलना पिछली सरकारों के कालखंड से की। उन्होंने कहा कि जो काम आज हो रहे हैं, वो काम तो 30-40 वर्ष पहले हो जाने चाहिए थे, लेकिन पहले की सरकारों की प्राथमिकता में ये काम था ही नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार नई ट्रेनों की झूठी घोषणा करके आराम से बैठ जाती थी। हमारे रेलवे स्टेशनों को कांग्रेस ने अपने हाल पर छोड़ दिया था। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है, इनमें से कई स्टेशनों पर काम पूरा हो गया है। आज ऐसे ही 75 स्टेशनों का कायाकल्प हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर और उनका सम्मान करके ही एक सशक्त राष्ट्र बन सकते हैं। इसी नेक भावना के साथ आदमपुर हवाई अड्डे का नाम *श्री गुरु रविदास जी महाराज हवाई अड्डा* और चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम अब *शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा* रखा गया है।

शिवपुरी में नरवर किले ...

कि बदमाशों के पास आधुनिक हथियार थे। उन्होंने जान से मारने की धमकी देकर हमें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। किले में पर्याप्त रोशनी और टॉर्च जैसी सुविधाएं तक नहीं थीं। हमारे पास सिर्फ लाठी थी। वारदात के बाद अब परिसर में 13 तोपें ही बची हैं। जांच में पता चला है कि बदमाश किले के पिछले रास्ते से दाखिल हुए थे। उन्हें पहले से पता था कि तोप कहां रखी है और उसे ले जाने के लिए कितने लोगों की जरूरत होगी। इसी कारण वे 25 से 30 की संख्या में और लोडिंग वाहन के साथ पहुंचे। इस मामले में सबसे हैरानी की बात यह है कि करीब 12 दिन पहले भी किले और आसपास संदिग्ध गतिविधियां देखी गई थीं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना भी दी थी, लेकिन सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई और न ही अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था की गई। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार, यह तोप 16वीं शताब्दी की है। यह भारती सैन्य इतिहास और उस समय की उन्नत धातु कर्म तकनीक का प्रतीक है। इस तोप पर बनी विशेष नक्काशी और ऐतिहासिक चिह्न इसे खास और बेहद दुर्लभ बनाते हैं। इस ऐतिहासिक धरोहर की कीमत पैसों में नहीं आंकी जा सकती है, लेकिन अवैध एंटीक बाजार में इसकी कीमत करोड़ों हो सकती है। इसी वजह से पुलिस को शक है कि इस वारदात के पीछे किसी अंतर्राष्ट्रीय तस्कर गिरोह का हाथ हो सकता है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ डकैती और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साइबर सेल की मदद से उन नेटवर्कों की भी पड़ताली की जा रही है जो ऐतिहासिक वस्तुओं की तस्करी से जुड़े हैं।

आंध्र में अब तक 12 ...

जी. वीरपांडियन बयान के अनुसार चारों मरीज (इनमें तीन कडपा और एक काकीनाडा से) उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), मधुमेह, गुर्दे की बीमारी और अन्य गंभीर बीमारियों जैसी पूर्व-मौजूदा चिकित्सीय स्थितियों से जूझ रहे थे। पहला मामला 26 जून को कडपा जिले में दर्ज किया गया था, जहां सबसे अधिक आठ मामले सामने आए हैं। गुंटूर जिले के मंगलपगिरी में दो मामले हैं और विशाखापत्तनम और काकीनाडा में एक-एक मामला है। वीरपांडियन ने कहा कि यह कोई *क्लस्टर आउटब्रेक* (एक ही स्थान पर संक्रमण का फैलना) नहीं है और ये मामले अलग-अलग मंडलों से सामने आए हैं। 26 जून से 15 जुलाई के बीच राज्य में कुल 67 लोगों की कोविड-19 के लिए जांच की गई। बयान में कहा गया है कि 01 जुलाई से देश भर में कोविड-19 के 339 मामले दर्ज किए गए हैं। सबसे अधिक मामले केरल (115) में दर्ज किए गए हैं, उसके बाद कर्नाटक (64), महाराष्ट्र (43), तमिलनाडु (39), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (18), दिल्ली (18) और राजस्थान (12) हैं। नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की कोविड टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष राजीव जयदेवन का कहना है कि मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि कोरोना वायरस सहित श्वसन संबंधी वायरस का प्रसार एक चक्रीय पैटर्न में होता है और वे प्रतिरक्षा से बचने के लिए लगातार विकसित होते रहते हैं।

मुर्शिदाबाद में स्कूल ...

सुबह करीब सात बजे आजीमगंज-कटवा रेलखंड पर कर्णसुबर्ण स्टेशन और गोविंदपुर रेलवे फाटक के बीच हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डाउन लाइन पर निमतिता-कटवा लोकल ट्रेन आ रही थी। इससे कुछ ही देर पहले अप लाइन से हावड़ा जाने वाली नवद्वीप एक्सप्रेस गुजर चुकी थी। आरोप है कि उसके गुजरने के बाद भी रेलवे फाटक बंद नहीं किया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फाटक खुला देखकर एक स्कूल वैन रेलवे लाइन पार कर रही थी। तभी तेज रफ्तार से आई निमतिता-कटवा लोकल ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में तीन स्कूली बच्चों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और रेलवे के अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल तीन बच्चों और वैन चालक को बचाव दल ने निकालकर मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा।

असम विधानसभा में मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के आरोपों पर भाजपा ने अखिल गोगोई से मांगा जवाब

गुवाहाटी (हिंस)। राइजर दल के प्रमुख एवं शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई द्वारा संचालित काजीरंगा ऑर्किड एंड बायोडायवर्सिटी पार्क में कथित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी के मामले को लेकर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को उन पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और वित्त मंत्री अजंता मल्लबरुवा द्वारा विधानसभा में लगाए गए गंभीर आरोपों का अखिल गोगोई अब तक स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब नहीं दे सके हैं। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने आरोप लगाया कि विधानसभा में मामला उठने के बाद भी अखिल गोगोई ने आरोपों का सीधा जवाब देने के बजाए मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति को अपने ऊपर लगे आरोपों का तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए। मेधी ने दावा किया कि काजीरंगा ऑर्किड एंड बायोडायवर्सिटी पार्क की वार्षिक आय लगभग 10 से 12 करोड़ रुपए है, जिसमें से सात से आठ करोड़ रुपए केवल प्रवेश शुल्क से प्राप्त होते हैं। उनका आरोप था कि वर्तमान जीएसटी व्यवस्था के अनुसार इस आय पर प्रतिवर्ष लगभग 1.5 करोड़ रुपए का जीएसटी देय होना चाहिए। भाजपा का दावा है कि पिछले आठ वर्षों में लगभग 12 से 15 करोड़ रुपए के जीएसटी का भुगतान नहीं किया गया। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पार्क में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्राप्त आय का पूरा विवरण वार्षिक लेखा-जोखा में दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि प्रवेश शुल्क की राशि कर्मचारियों के व्यक्तिगत बैंक खातों में जमा कराई गई। मेधी ने अखिल गोगोई से पिछले आठ वर्षों में पार्क में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या और प्रतिदिन के वित्तीय लेनदेन का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि अब अखिल गोगोई पूरे मामले की जिम्मेदारी चार्टर्ड अकाउंटेंट और सदस्य सचिव पर डालकर स्वयं को वित्तीय मामलों से अलग दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। मेधी ने कहा कि यदि पार्क के सभी वित्तीय निर्णय उनकी जानकारी और स्वीकृति से होते रहे हैं, तो कथित अनियमितताओं की जिम्मेदारी से वे बच नहीं सकते। भाजपा ने पार्क की भूमि को लेकर भी सवाल उठाए। मेधी ने दावा किया कि प्रारंभ में पार्क के लिए 26 बीघा से अधिक भूमि स्वीकृत की गई थी, जबकि वर्तमान में इसका विस्तार 100 बीघा से अधिक क्षेत्र में हो चुका है। उन्होंने पूछा कि यदि संस्था आर्थिक संकट में थी, जैसा कि अखिल गोगोई ने पहले दावा किया था, तो अतिरिक्त भूमि किस प्रकार प्राप्त की गई। उन्होंने इस विस्तार के लिए धन के स्रोत और भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया सार्वजनिक करने की मांग की। मेधी ने अखिल गोगोई के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर पार्क सरकार को सौंपने की बात कही थी। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि पार्क का संचालन करने वाली समिति के 10 निदेशकों में से चार अखिल गोगोई के परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा या सरकार की ओर से पार्क पर कब्जा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है और इस मुद्दे पर लोगों की भावनाएं भड़काने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पार्क के माध्यम से असम की विभिन्न जनजातीय और सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण सराहनीय पहल है, लेकिन सांस्कृतिक गतिविधियों की आड़ में कर नियमों के कथित उल्लंघन को उचित नहीं ठहराया जा सकता। भाजपा ने मांग की कि यदि अखिल गोगोई पारदर्शिता और जवाबदेही में विश्वास रखते हैं तो पूरे मामले के वित्तीय दस्तावेज सार्वजनिक करें। भाजपा ने विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए उस आरोप का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि विधानसभा चुनाव से पहले शिवसागर क्षेत्र के नामघरों में 1.5 लाख रुपए नकद वितरित किए गए थे। मेधी ने कहा कि अखिल गोगोई इस आरोप पर भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश प्रवक्ता प्रांजल कलिता और मीडिया पैनलिस्ट कौशिक पाल दास भी उपस्थित थे।

पूर्व सैनिकों को उद्यमिता के लिए किया गया प्रोत्साहित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्व सैनिकों को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय चैप्टर द्वारा शुक्रवार को गुवाहाटी में एक उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 100 से अधिक पूर्व सैनिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को सैन्य सेवा से उद्यमिता की ओर सफलतापूर्वक लाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना था। इसमें व्यवसाय योजना, वित्तीय प्रबंधन, सरकारी योजनाओं का लाभ, विपणन रणनीतियां, डिजिटल व्यवसाय के अवसर तथा स्टार्टअप वित्तपोषण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। प्रतिभागियों ने सफल उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद कर उनके अनुभवों से भी सीख हासिल की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एयर वाइस मार्शल संजीव बरदलै, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि सैन्य सेवा के दौरान विकसित नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, धैर्य और समस्या समाधान की योग्यता पूर्व सैनिकों को सफल उद्यमी बनने की मजबूत नींव प्रदान करती है। उन्होंने प्रतिभागियों से इन गुणों का उपयोग कर आत्मनिर्भर व्यवसाय स्थापित करने और स्थानीय आर्थिक विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पीएचडीसीसीआई के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय चैप्टर, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, गुवाहाटी तथा नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएसआईसी) के प्रतिनिधियों ने पूर्व सैनिकों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और नेटवर्किंग जैसी विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में आयोजकों ने पूर्व सैनिकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आधे उद्यमियों ने सीएमएएए की राशि का सदुपयोग नहीं किया : उद्योग मंत्री बिमल बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के उद्योग मंत्री बिमल बोरा ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान (सीएमएएए) के तहत प्रथम चरण में वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले लगभग 50 प्रतिशत उद्यमी राशि का समुचित उपयोग नहीं कर सके, जिसके कारण वे योजना के दूसरे चरण की अतिरिक्त सहायता से वंचित रह गए। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि योजना के प्रथम चरण में 25,277 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई थी। इनमें से निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले केवल 12,331 उद्यमियों का ही दूसरे चरण में अतिरिक्त एक लाख रुपए की सहायता के लिए चयन किया गया। उन्होंने बताया कि सीएमएएए 2.0 के तहत 74,694 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी पात्र आवेदकों को 75,000 रुपए की पहली किस्त जारी कर दी गई है, जबकि शेष 25,000 रुपए जुलाई के बाद प्रदान किए जाएंगे। मंत्री बिमल बोरा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान को हर हाल में सफल बनाना चाहती है और लाभार्थियों से योजना की राशि का सही उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कोकराझाड़ पुलिस ने लौटाए 13 खोए हुए मोबाइल, मालिकों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ पुलिस ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए बीते एक सप्ताह के भीतर गुम हुए और चोरी हुए 13 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गहन तकनीकी जांच और सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के बाद, पुलिस ने इन फोनों को उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया है। जिला पुलिस के अनुसार, विभिन्न माध्यमों से मोबाइल खोने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की साइबर सेल ने तकनीकी निगरानी और ट्रेसिंग का सहारा लिया। कड़ी मेहनत के बाद पुलिस ने विभिन्न स्थानों से इन 13 मोबाइलों को सफलतापूर्वक बरामद कर लिया। फोन मिलने के बाद संबंधित मालिकों ने कोकराझाड़ पुलिस का आभार व्यक्त किया। अपना फोन पाकर लोग काफी खुश नजर आए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा और सत्यापन की प्रक्रिया के बाद ही ये उपकरण उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए गए हैं। कोकराझाड़ पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में लोगों का विश्वास बढ़ा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत स्थानीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बीटीआर में धार्मिक और सांस्कृतिक विकास पर जोर
इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर सहित कई परियोजनाओं की घोषणा

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के प्रमुख हग्रामा महिलारी ने बोड़ोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र (बीटीआर) में धार्मिक, सांस्कृतिक और आधारभूत विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि परिषद सभी धर्मों और समुदायों को समान सम्मान देने की नीति पर काम कर रही है और इसी सोच के तहत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया जाएगा। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए महिलारी ने बताया कि बीटीआर में लगभग 30 करोड़ रुपए की लागत से इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। यह परियोजना न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगी, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि ब्रह्म धर्म के अनुयायियों के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से एक विशेष विकास परियोजना शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत धार्मिक और सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि अनुयायियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। महिलारी ने कहा कि क्षेत्र के मनोरंजन और सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से 10 करोड़ रुपए की लागत से जुबीन पार्क का निर्माण भी कराया जाएगा। इसके अलावा सूफी संत अजान फकीर से जुड़े स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए भी 10 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि इन स्थलों का विकास सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और धार्मिक सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। बीटीसी प्रमुख ने कहा कि विकास योजनाएं किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि सभी समुदायों की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लागू की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के अलावा भी बीटीआर के विभिन्न क्षेत्रों में कई विकास योजनाएं चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएंगी। इनका उद्देश्य आधारभूत ढांचे को मजबूत करना, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना, सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति देना है।

गोसाईगांव में हथियार के साथ चार सुपारी किलर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के गोसाईगांव के बल्लमगुड़ी क्षेत्र में पुलिस ने देर रात चलाए गए अभियान में चार कथित सुपारी किलरों को हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। कोकराझाड़ पुलिस ने आज बताया है कि बीती रात गोसाईगांव पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चारों आरोपितों को दबोच लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी आरोपित उत्तर प्रदेश से असम में किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए थे। अभियान के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के निवासी धर्मवीर गौतम, विकास चौधरी, सूरज गौतम और निजामिस अली के रूप में हुई है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और इनके संभावित आपराधिक नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

कामरूप : ग्रीष्मकालीन विशेष सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी। कामरूप जिले की प्रतिष्ठित स्वयंसेवी सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन तथा प्रज्ञा उत्तर कामरूप जिला समिति के सहयोग से रंगिया के असम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 20 जुलाई से ग्रीष्मकालीन विशेष सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में डॉ. भूपेन हजारीका के गीतों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल सुदाकण्ठ के गीतों के प्रचार-प्रसार के तहत आयोजित की जा रही है, इसकी जानकारी प्रज्ञा उत्तर कामरूप जिला के अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा और सचिव बसंत कलिता ने दी। कार्यशाला के तहत नाटक (अभिनय) प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेता, निर्देशक तथा पटकथा लेखक पंकज पल्लव शर्मा उपस्थित रहेंगे। पंकज पल्लव शर्मा असमिया फिल्म *दिठोकोत हेराल सापोन* के पटकथा लेखक और निर्देशक हैं और उन्होंने विभिन्न वर्षों में असम के कई स्थानों पर प्रशिक्षण दिया है। वे बच्चों के बौद्धिक व मानसिक विकास पर विशेष ध्यान देते हैं तथा प्रशिक्षुओं को साथ समाज चेतना पर आधारित नाटक व लघु फिल्में बनाते आए हैं। अभिनय

कार्यशाला प्रतिदिन सुबह 10–30 बजे आयोजित की जाएगी। कार्यशाला के समापन पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसमें भाग लेने के इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों को अपना नाम पंजीकृत कराना अनिवार्य होगा। विस्तृत जानकारी व पंजीकरण के लिए इच्छुक व्यक्ति 9954293668, 6001036504 या 9101265048 पर संपर्क कर सकते हैं, ऐसा बसंत कलिता, करुणा दत्ता, सैयय्द मोस्तडाफ़ अहमद, चाकिल अहमद, अंजु कलिता, मेघाली डेका और शंकर कलिता ने अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायक दिप्लू रंजन शर्मा एवं नव कुमार दोलै को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दिप्लू रंजन शर्मा एवं नव कुमार दोलै को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए जारी अपने संदेश में कहा है कि न्यू गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिप्लू रंजन शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। जनता की सुविधाओं को बढ़ाने और समग्र विकास के क्षेत्र में लंबा संगठनात्मक अनुभव रखने वाले उनके निष्ठावान प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। जनकल्याण के प्रति यह जिम्मेदारी न्यू गुवाहाटी क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती है। मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव गुरुजन के चरणों में उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और सफल लोकसेवा यात्रा के लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं ढकुवाखना विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान संगठनकर्ता नव कुमार दोलै को भी मुख्यमंत्री ने जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और मंगलकामनाएं प्रेषित किया है। डॉ. शर्मा ने कहा है कि दोलै एक जनप्रिय नेता के रूप में, समस्त क्षेत्रवासियों के विकास, सुशासन को सुदृढ़ करने और सतत विकास के मार्ग को और अधिक मजबूत बनाने में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गुरुजन के श्री चरणों में उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और हर प्रकार की भलाई की कामना करते हुए आज के इस खास दिन पर हार्दिक प्रार्थनाएं प्रकट कीं।

कोकराझाड़ के मागुरमारी में 2 करोड़ की लागत से बहुउद्देशीय सामुदायिक परियोजना का शिलान्यास

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के मागुरमारी में गुरुवार को *सीमांत बहुमुखी प्रकल्प* नामक एक बहुउद्देशीय सामुदायिक विकास परियोजना की आधारशिला रखी गई। इस परियोजना का शिलान्यास कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने किया। लगभग 2 करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को असम सरकार के *रूपांतरण और विकास विभाग* के अंतर्गत कार्यान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने समावेशी विकास को बढ़ावा देने में सामुदायिक पहलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के साथ-साथ शिक्षा, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर अवसर

प्रदान करेगी। उन्होंने सभी हितधारकों से इस परियोजना को सफल बनाने और स्थानीय समुदाय के समग्र कल्याण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक नेताओं, कार्यान्वयन संस्था के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। क्षेत्र के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए टिकाऊ विकास की दिशा में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प जताया।

बंद पड़े चेकोनी चाय बागान का डीसी ने किया निरीक्षण
श्रमिकों को हरसंभव सरकारी सहायता का भरोसा दिया

नगांव (निसं)। नगांव के जिला आयुक्त (डीसी) देवाशीष शर्मा ने आजीविका संकट से जूझ रहे जखालाबंधा स्थित बंद पड़े चेकोनी चाय बागान का बुधवार शाम दौरा कर श्रमिकों की समस्याओं का जायजा लिया। उनके साथ कलियाबोर सह-जिला आयुक्त राज बरुवा भी मौजूद थे। जिला आयुक्त ने पूरे चाय बागान का निरीक्षण कर अचानक बंदी के कारण दैनिक मजदूरी पर निर्भर श्रमिकों और उनके परिवारों के सामने उत्पन्न कठिन परिस्थितियों की जानकारी ली। औपचारिक बैठकों तक सीमित रहने के बजाए जिला आयुक्त सीधे श्रमिकों के आवासीय क्षेत्रों में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से आमने-सामने बातचीत की। उन्होंने श्रमिकों एवं स्थानीय लोगों की समस्याएं विस्तार से सुनीं और इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की अपील की। डीसी देवाशीष शर्मा ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन चाय बागान से जुड़े मौजूदा संकट के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं, राहत पैकेजों और सहायता उपायों का लाभ प्रभावित परिवारों तक समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। श्रमिकों की स्थिति का आकलन करने के अलावा जिला आयुक्त ने चाय बागान क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले शिलखुरंग शिव थान तथा बांदुर्गा मंदिर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में जखालाबंधा वन क्षेत्र से निकले जंगली हाथियों द्वारा मंदिर परिसर को पहुंचाए गए नुकसान का जायजा लिया और स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि प्रशासन आवश्यक मरम्मत एवं पुनर्स्थापन के लिए उचित कदम उठाएगा।

गवर्नर ने मजबाट में अमृत भारत स्टेशन के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया

एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी से असम और पूर्वोत्तर की जबर्दस्त आर्थिक क्षमता खुल रही है : गवर्नर

गुवाहाटी। देशव्यापी कार्यक्रम के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जालंधर कैंट स्टेशन से *अमृत भारत स्टेशन योजना* के तहत नए रूप में तैयार 75 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन किया। इनमें असम का ऐतिहासिक 117 साल पुराना मजबाट रेलवे स्टेशन भी शामिल है। असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मजबाट में उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और नए रूप में तैयार स्टेशन की उद्घाटन पट्टिका का अनावरण किया। गौरतलब है कि नए रूप में तैयार होने के बाद, मजबाट अमृत स्टेशन को एक जीवंत शहर केंद्र के तौर पर अपग्रेड किया गया है, ताकि इस इलाके में पर्यटन, रोजगार और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिल सके। इसके अलावा, इस बदलाव के बाद स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं, बेहतर पार्किंग, बड़ा वेटिंग एरिया और पानी बचाने, सौर ऊर्जा और ग्रीन स्पेस जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। इस मौके पर बोलते हुए, गवर्नर श्री आचार्य ने इस घटना को असम के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया और कहा कि मजबाट रेलवे स्टेशन का कायाकल्प आधुनिक, समावेशी और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को दिखाता है। उन्होंने *अमृत भारत स्टेशन योजना* के तहत मजबाट को अमृत भारत स्टेशन में बदलने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दिल से आभार जताया और राज्य के विकास में योगदान और लगातार समर्थन के लिए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भी धन्यवाद दिया। गवर्नर ने कहा कि नया स्टेशन असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का बेहतरीन मेल है, जिससे यह एक ट्रांजिट हब बन गया है और राज्य की अनूठी पहचान को भी दिखाता है। उन्होंने भरोसा जताया कि अपग्रेड किया गया स्टेशन पर्यटन, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देगा और साथ ही पूरे इलाके में कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। भारतीय रेलवे में तेजी से हो रहे बदलावों का जिक्र

करते हुए श्री आचार्य ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का अभूतपूर्व विस्तार, स्टेशनों का कायाकल्प, विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और एडवांस्ड ट्रेनों की शुरुआत भारत के विकसित राष्ट्र बनने के सफ़र में अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में असम और पूर्वोत्तर के लिए रेलवे बजट आवंटन पांच गुना से ज्यादा बढ़ा है, और *अमृत भारत स्टेशन योजना* के तहत असम में 50 और पूरे पूर्वोत्तर में 60 स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। गवर्नर ने कहा कि प्रधानमंत्री के *एक्ट ईस्ट,* *एक्ट फास्ट और एक्ट फर्स्ट* के विजन के तहत बेहतर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी से असम और नॉर्थ-ईस्ट की भारी आर्थिक क्षमता का पता चल रहा है, जिससे यह क्षेत्र भारत की तरक्की का एक अहम इंजन बन रहा है। गवर्नर ने नागरिकों से नई बनी सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखने की अपील की और लोगों, खासकर युवाओं से कहा कि वे स्टेशन की सफाई, सुरक्षा और रखरखाव की सामूहिक जिम्मेदारी लें। उन्होंने भरोसा जताया कि मजबाट रेलवे स्टेशन नए मौकों, खुशहाली और उम्मीदों का प्रतीक बनेगा और *विकसित असम* और *विकसित भारत* के विजन में अहम योगदान देगा। इस मौके पर पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री नीलिमा देवी, परिवहन और बोड़ोलैंड कल्याण मंत्री चरण बोरो, नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव, रंगिया डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर अनंत सदाशिव, भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

संपादकीय

'ऑपरेशन दो-तिहाई' अंजाम तक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने-अपने स्तर पर 'चाणक्य' साबित कर दिया है। गृहमंत्री का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के 12-साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संवैधानिक संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो-तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो-तिहाई 360 सांसद बनता है, लेकिन बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो-तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए। लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे 'नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी-सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए का घटक है, लिहाजा 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए के पास 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। 'असली शिवसेना' (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और 'चाणक्य भाजपा' की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब 'गिद्ध-दृष्टि' तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन परिसीमन के साथ-साथ चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के भी घोर विरोधी रहे हैं। तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता से बाहर हो चुकी है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा-द्रमुक साथ-साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई 'लक्ष्मण-रेखा' भी नहीं है। हालांकि द्रमुक के कुछ नेताओं ने 'सनातन' के लिए बेहद अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राजनीति में ऐसे आचरण, दुर्व्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद परिसीमन संशोधन बिल का समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता-पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक देश का 'राजनीतिक नक्शा' बदल देना चाहते हैं, चूंकि महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए देश में परिसीमन करना अनिवार्य है, लिहाजा नए बिल में ऐसा प्रावधान हो सकता है कि सभी राज्यों की 50 फीसदी लोकसभा सीटें बढ़ाई जाएंगी। परिसीमन उसी आधार पर किया जाएगा।

गृहमंत्री का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के 12-साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा।

कुछ अलग

गंजे को नाखून

एक बार मैंने भगवान से कहा- 'प्रभो आपने गंजे को नाखून क्यों दिए?' भगवान बोले- 'मैंने तो बेटे नाखून सबको ही दिए हैं। गंजे के साथ मैं पक्षपात क्यों कर करूं। वह भी आदमी ही है। लेकिन तुम यह पूछ क्यों रहे हो?' मैंने कहा- 'प्रभो, गंजे ने अपना पूरा माथा खोद लिया है। घावों से लहूलुहान होकर गंजा विकृत हो गया है।' 'तो तुम क्यों फिक्र करते हो। गंजा जाने और उसका काम जाने।' भगवान ने कहा। 'नहीं प्रभो, वह गंजा मेरा दोस्त है, वह साहित्यकार है और मेरा समानधर्मी है। भगवान न करे उसे कुछ हो जावे। परंतु आपकी कृपा से वह लालबुझक्कड़ अफसर बन गया है।' मैंने कहा। 'देखो वत्स, किसी से ईर्ष्या मत करो। साहित्यकार अफसर बन गया तो तुम्हें क्या? रहा सवाल गंजे का, उसकी टांट और उसके नाखून। यदि वह खुजा-खुजा कर मरना चाहता है तो उसे कुत्ते की मौत मरने दो। परंतु तुम टिप्पणी मत करो।' भगवान यह कहकर अंतर्ध्यान हो गए। मुझे भगवान की बात सत्य भी लगी और विचित्र भी। सोच-सोचकर हंसी भी आई कि अच्छा भला आदमी था साहित्यकार, अफसर क्या बना कि हुलिया ही बिगाड़ लिया। एक बार मेरा उस साहित्यकार मित्र से काम पड़ गया। मैंने उसके पास जाकर कहा- 'देखिये साहित्यकार जी, आप अफसर हैं और आपके दफ्तर में मेरा एक मामला अटक गया है, उसे निकलवाइये।' साहित्यकार बोला- 'देखो भाई, यह दफ्तर है, इसका काम करने का एक कायदा है। यदि नियमानुसार फाइल निकलने की होगी तो निकाल दी जाएगी। वरना मैं विवश हूं।' मैंने कहा- 'कैसी बहकी-बहकी बातें कर रहे हो मित्र! तुम कल तक मेरे घर घंटों पड़े रहकर मुझसे साहित्य की ट्रेनिंग लिया करते थे।'

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा—बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान—में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होंगे। यह भी समझना होगा कि अनेक महिलाओं के लिए नौकरी कोई शौक नहीं बल्कि आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा खर्च, आवास ऋण और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के कारण दोहरी आय कई परिवारों की मजबूरी बन चुकी है। दूसरी ओर लाखों महिलाएं अपनी प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक योगदान के लिए भी कार्य करना चाहती हैं। उनके निर्णय को केवल बाजार की साजिश बताना उनके व्यक्तित्व और अधिकारों दोनों को सीमित करता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज में पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बदल रही हैं। यदि दोनों कमाते हैं तो घरेलू जिम्मेदारियां भी दोनों को साझा करनी चाहिए। बच्चों का पालन-पोषण केवल मां का नहीं, पिता का भी समान दायित्व है। इसी प्रकार आर्थिक जिम्मेदारी केवल पुरुष की नहीं, बल्कि आवश्यकता और सहमति के अनुसार दोनों की हो सकती है। आधुनिक परिवार की सफलता इसी साझेदारी में निहित है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में रहें। निजी संस्थानों पर प्रभावी नियमन हो, गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय और अस्पताल मजबूत किए जाएं तथा आवास क्षेत्र में पारदर्शिता और किफायत सुनिश्चित की जाए। अंततः यह कहना कि आज की सारी आर्थिक समस्याओं की जड़ महिलाओं का रोजगार है, न तो न्यायसंगत है और न ही तथ्यों पर आधारित।

बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

देश | दुनीया से

मुंबई के चश्मे से चंडीगढ़ का दीदार

मैं मुंबई में रहता हूं। लेकिन जब भी कोई पूछता है, 'घर कहां है'? तो मेरा जवाब हमेशा यही होता है—चंडीगढ़। हालांकि, मुंबई में रहते करीब 30 साल हो गए। गगनचुम्बी इमारतें, चंडीगढ़ की एक कोठी की कीमत के बराबर वहां केवल छोटा-सा 2 बेडरूम फ्लैट मिलना, और वड़ा-पाव खाकर डेडलाइन पूरी करने की भागमभाग। फिर भी, चंडीगढ़ को किसी पुराने साथी की तरह देखता हूं, जिससे आज भी लगाव है। वहां की हर चीज़ का पता रहता है। मुंबई में पहला झटका जगह को लेकर लगता है। यह शहर आपको सिकोड़ देता है। यहां मेरा फ़्लैट लगभग 1200 स्क्वेयर फ़ीट का है जबकि सेक्टर 21 में मेरे माता-पिता का घर एक कनाल का है, जिसके लॉन में पुदीना उगाते हैं। मुंबई में, अगर बालकनी में दो कुर्सियां बिछ जाएं, तो हम खुश हो जाते हैं। चंडीगढ़ में लोग शिकायत करते हैं कि पार्किंग में दो एसयूवी गाड़ियां नहीं आ पातीं। चंडीगढ़ वापस जाता हूं, तो शुरुआती 2-3 दिन बस घूमता रहता हूं। चौड़ी सड़कें। पेड़-पौधे। हॉर्न का शोर नहीं। सोचता रहता हूं, 'यहां इतनी जगह क्यों है'? और फिर मुझे याद आता है – 'द सिटी ब्यूटीफुल' का मकसद यही तो था। ली कॉर्बुज़िए ने इसे इस तरह प्लान किया था कि आप खुलकर सांस ले सकें। मुंबई ने खुद को इस तरह प्लान किया कि आप बस 'एडजस्ट' कर सकें। दूसरा झटका समय को लेकर लगता है। मुंबई इस बात पर चलती है कि 'बस पहुंच रहा हूं' – जिसका मतलब होता है 45 मिनट। वहीं, चंडीगढ़ में '10 मिनट में आ जाता हूं' का मतलब सच में 10 मिनट होता है। मैंने अपने मुंबई वाले दोस्तों को बताया —मैं 'सेक्टर 17' में किसी से मिलने जा रहा हूं। उन्होंने पूछा, 'कितना समय लगेगा'? मैंने कहा 5-7 मिनट। वे इसे मजाक समझे। चंडीगढ़ में दूरी को घंटों में नहीं, सेक्टर में मापा जाता है। 'मैं 22 में हूं, तू 35 आ जा'। यह 15 सेकंड का मामला है। इसकी मुझे बहुत याद आती है। घर से दूर रहने पर आप अपने शहर को अलग नजरिए से देखते हैं। पहला, चंडीगढ़ बोरिंग है। पर, यही इसकी खासियत है: मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो'? कहता हूं: 'गेड़ी'। चाय। बातें'। वे हैरान होकर पूछते हैं,

'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव या 'ऑन' रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से बोरिंग है जैसे कोई अच्छी किताब। दूसरा, चंडीगढ़ के लोग मीन-मेख निकालते अथवा मापते हैं: यह भी खासियत है। मुंबई में किसी को परवाह नहीं कि आप बाजार क्या पहनकर जा रहे। लेकिन चंडीगढ़ में आपका पड़ोसी आपके नए कुर्ते पर कमेंट भी कर देगा। पहले मुझे यह बात अखरती थी। अब अहसास होता है : यही भाईचारा है। तीसरा, चंडीगढ़ अमीर है, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है : मुंबई दिखावा करता है। बांद्रा, जुहू की रूफटॉप पार्टियां। बॉलीवुड। चंडीगढ़ में शहर के अंदर ही फार्महाउस हैं- सेक्टर 9 में मेरे एक वकील दोस्त का 10.5 कनाल का बंगला है। सबके पास बड़ी-बड़ी एसयूवी गाड़ियां, लेकिन दिखावे का तरीका अलग है। यहां रुतबे का दिखावा व्यावहारिक है। ठेठ चंडीगढ़िया स्टाइल। मुंबई में होता हूं, तो चंडीगढ़ के दोस्तों वाला व्हाट्सएप ग्रुप मेरा चंडीगढ़ का न्यूज़ चैनल बन जाता है। वहां के मौसम और ट्रैफ़िक का पता रहता है। यह भी कि सेक्टर 26 में कौन-सा नया कैफ़े खुला है। मुंबई के लोग ग़लत समझते हैं, उन्हें लगता है कि चंडीगढ़ 'छोटा सा' है। तकनीकी रूप से हां, केवल 114 वर्ग किलोमीटर। लेकिन भावनात्मक रूप से, बहुत विशाल है। क्योंकि हर कोई किसी न किसी चंडीगढ़ वाले को जानता है। मुंबई की एक पार्टी में मैं ऐसे 3 लोगों से मिला जिन्होंने कहा, 'मेरी मौसी चंडीगढ़ में रहती हैं', 'मेरा कज़िन पीजीआई में था', या 'मैं बचपन में रॉक गार्डन गया था'। चंडीगढ़ भारत का दूसरा घर है। कोई मानता नहीं, लेकिन हरेक का इससे कोई न कोई नाता है। मुंबई के लोगों को यह भी लगता है कि चंडीगढ़ में रहने वालों के पास 'करने-धरने को कुछ नहीं'। मैं कहता हूं कि हमारे पास करने को बहुत कुछ है। बस हम सब कुछ आराम से करते हैं। हम ब्रंच नहीं करते, कहते हैं 'घर आ जाओ, राजमाह बने हैं।' मुंबई में 'अपने घर की याद' अजीब तरह से आती है। बड़ी चीज़ों की वजह से नहीं। अप्रैल में कोयल की कूक की वजह से, सर्दियों की धुंध की वजह से जो सब कुछ रोमांटिक बना देती है। मटका चौक से शिवालिक की पहाड़ियों के नज़ारे की वजह से। मुंबई ने मुझे व्यवसाय दिया, चंडीगढ़ ने मेरा वजूद दिया है। मुंबई में मैं 'विज्ञापन जगत का एक बंदा' हूं। चंडीगढ़ में मैं 'गोयल साहब का बेटा, जो डीएवी से पढ़ा और अब मुंबई में है' हूं। मुझे दोनों की ज़रूरत है। लेकिन घर जैसा अहसास एक ही जगह है। मुंबई से देखने पर चंडीगढ़ ऐसा लगता है जिसने भागमभाग में फंसने से साफ़ इनकार कर रखा है। जब मुंबई में ऊंची इमारतें बन रही थीं, तब चंडीगढ़ ने अपने पेड़ बचाए रखे। मुंबईवासी 12 घंटे की शिफ्ट करते थे, तब चंडीगढ़ में 8 बजे डिनर का रिवाज रहा। क्या चंडीगढ़ में कोई कमी नहीं? हां, है। युवा पीढ़ी शहर छोड़कर जा रही है। तन्खवाहें कम हैं। लेकिन यह एकमात्र ऐसा शहर भी है जहां मेरी बेटी रात 1 बजे गाड़ी चला सकती है, खुद को सुरक्षित महसूस कर सकती है। मुंबई ने मुझे सिखाया काम के पीछे भागना कैसे है। चंडीगढ़ ने मुझे सिखाया कि रुकना क्यों नहीं। और 1500 किलोमीटर दूर से भी, मैं अब भी अपने दिमाग में वही 'गेड़ी' लगा रहा हूं – रॉक गार्डन से सुखना, सेक्टर 17 से पंजाब यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट सेंटर। क्योंकि कुछ शहरों में आप रहते हैं। और कुछ शहर आपमें बस जाते हैं। चंडीगढ़ उन्हीं में से एक है। मुंबई में रहते हुए भी।

आप का | नजरीया

कांगड़ा पर्यटन की हाजिरी

पर्यटन की तारीफ में कुछ आंकड़े जब दरियादिल हो जाते हैं, तो सडकें आबाद और अर्थतंत्र प्रसन्न हो जाता है। कांगड़ा को पहली बार टूरिज्म कैपिटल का संबोधन मिला, तो बांछें खिल उठी, हालांकि योजनाएं-परियोजनाएं अभी करवटें बदल रही हैं। आंकड़ों के हस्ताक्षर बता रहे हैं कि मई में 1.26 लाख घरेलू व 3500 विदेशी कांगड़ा पहुंच गए। पर्यटक आगमन का चित्र बेशक बड़ा हो रहा है, तो इसके कारणों पर गौर होना चाहिए। कांगड़ा घाटी में पर्यटन की घाटियां पहली बार नजर नहीं आ रहीं, बल्कि नजरों में कांगड़ा को लाने के लिए बहाने जरूर बढ़ रहे हैं। घाटी के मंदिर वास्तव में पर्यटन के प्रवेश द्वार हैं, जहां से अस्सी फीसदी आंकड़े हाजिरी भरते हैं। धर्मशाला में आईपीएल मैच तथा वर्क फ्रॉम माउंटेन का कांसेप्ट बीड़-बिलिंग तक ग्रो कर रहा है। प्रदेश में ट्रैकिंग की बेहतरीन साइट्स कांगड़ा में विकसित हो रही हैं तथा नए पर्यटन की नई मंजिलों में कांगड़ा के अनुभव धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ डलहौजी से जोगिंद्रनगर तक फैल रहे हैं। निजी क्षेत्र ने न केवल होम स्टे की अवधारणा में खुशामदीद कहा, बल्कि कुछ बेहतरीन रिजॉर्ट यहां की आबोहवा, खान-पान, साहसिक खेलों तथा नजारों को यादगार यात्रा में बदल रहे हैं। देखना यह है कि कब सरकार के प्रयत्नों से पौंग डैम की संभावना में किश्तियां-शिकारे दौड़ते हैं या तितलियों के गार्डन बसते हैं। यह दीगर है कि कांगड़ा की पर्यटन राजधानी में नगरोटा बगवां के हिस्से में क्लॉक टावर, ऊंचा तिरंगा तथा मालरोड दिखाई दे रहा है, लेकिन टेंपल टूरिज्म को घोषणाओं के सिवाय कुछ नहीं मिला और न ही पालमपुर के सौंदर्यीकरण की पूर्व घोषित योजनाएं पूरी हुईं। आज भी धर्मशाला में निर्मित प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन में एक भी फूल नहीं उगा, तो एडीबी प्रदत परियोजनाओं के जख्म दिखाई देते हैं। कांगड़ा बाइपास पर विकसित हो रहे घाटों पर अगर एडीबी बजट की नजरें इनायत हो जाएं, तो यह स्थल हर दिन पर्यटकों का मेला बन सकता है, लेकिन कांगड़ा कैपिटल का नाम कांगड़ा शहर की किस्मत में ही काम नहीं आया। बहरहाल, पर्यटन का जो भी खाका दिखाई दे, इसमें कनेक्टिविटी का बहुत बड़ा योगदान है। अभी हाल में शुरू हुई धर्मशाला-नोएडा फ्लाइट की आधिकारिक सूचना यह है कि जेवर पर उतर रही उड़ानों में यात्री वृद्धि दर में कांगड़ा एयरपोर्ट एक फेवरिट डेस्टिनेशन बना है। निश्चित रूप से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के प्रति सुक्खू सरकार की दूरदृष्टि बड़े पर्यटन का महाकाव्य लिखने जा रही है। इसी तरह सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अंब-अंदौरा तक पहुंची वंदे भारत रेल सेवा ने मंदिर पर्यटन की नई कहानी लिख दी है, लेकिन पर्यटन का टैम्पो ट्रैवल न तो धर्मशाला-मकलोडगंज को जोड़ रहा और न ही चामुंडा तक पहुंच रहा है। पर्यटक को हिमाचल पहुंचाने में निजी वोल्वो बसों का योगदान सर्वोपरि है और यही वजह है कि बीड़ से ही दो-ढाई दर्जन बसें हर दिन दिल्ली के लिए निकलती हैं। युवा पर्यटक हिमाचल का नक्शा बदल रहे हैं। निजी वोल्वो बसों से युवा पर्यटक अगर त्रियुंड, धातरी, खनियारा, हिमानी चामुंडा, नगरी-राख या बीड़-बिलिंग पहुंच रहे हैं, तो यह 'वर्क फ्रॉम माउंटेन' की संभावना है। इस कैटेगिरी के पर्यटक को अलग तरह की अधोसंरचना चाहिए। उसे छात्रावासों की एक श्रृंखला, सस्ती टैक्सी सेवा, हाई स्पीड इंटरनेट और मनोरंजन के नित नए साधन चाहिएं। क्या कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल का दर्जा देने से सब कुछ बेहतर होगा या पर्यटक के आने के कारणों में अधोसंरचना में इजाफा चाहिए। एडीबी के सौजन्य से बहुत कुछ संभव है, लेकिन ऐसी परियोजनाएं चल रही हैं, जो कल कहीं खंडहर ही न बन जाएं।

कांगड़ा को पहली बार टूरिज्म कैपिटल का संबोधन मिला, तो बांछें खिल उठी, हालांकि योजनाएं-परियोजनाएं अभी करवटें बदल रही हैं। आंकड़ों के हस्ताक्षर बता रहे हैं कि मई में 1.26 लाख घरेलू व 3500 विदेशी कांगड़ा पहुंच गए। पर्यटक आगमन का चित्र बेशक बड़ा हो रहा है, तो इसके कारणों पर गौर होना चाहिए। कांगड़ा घाटी में पर्यटन की घाटियां पहली बार नजर नहीं आ रहीं, बल्कि नजरों में कांगड़ा को लाने के लिए बहाने जरूर बढ़ रहे हैं। घाटी के मंदिर वास्तव में पर्यटन के प्रवेश द्वार हैं, जहां से अस्सी फीसदी आंकड़े हाजिरी भरते हैं। धर्मशाला में आईपीएल मैच तथा वर्क फ्रॉम माउंटेन का कांसेप्ट बीड़-बिलिंग तक ग्रो कर रहा है। प्रदेश में ट्रैकिंग की बेहतरीन साइट्स कांगड़ा में विकसित हो रही हैं तथा नए पर्यटन की नई मंजिलों में कांगड़ा के अनुभव धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ डलहौजी से जोगिंद्रनगर तक फैल रहे हैं। निजी क्षेत्र ने न केवल होम स्टे की अवधारणा में खुशामदीद कहा, बल्कि कुछ बेहतरीन रिजॉर्ट यहां की आबोहवा, खान-पान, साहसिक खेलों तथा नजारों को यादगार यात्रा में बदल रहे हैं। देखना यह है कि कब सरकार के प्रयत्नों से पौंग डैम की संभावना में किश्तियां-शिकारे दौड़ते हैं या तितलियों के गार्डन बसते हैं। यह दीगर है कि कांगड़ा की पर्यटन राजधानी में नगरोटा बगवां के हिस्से में क्लॉक टावर, ऊंचा तिरंगा तथा मालरोड दिखाई दे रहा है, लेकिन टेंपल टूरिज्म को घोषणाओं के सिवाय कुछ नहीं मिला और न ही पालमपुर के सौंदर्यीकरण की पूर्व घोषित योजनाएं पूरी हुईं।

दृष्टि | कोण

इंग्लैंड की नई पार्टी का पैंतरा और बीरबल

इंग्लैंड की महज सात साल पुरानी पार्टी यूके रिफॉर्म और वहां की पूर्व गृहमंत्री बरेवरमैन के नए रिश्ते बने हैं और उन्होंने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन की सांसद सुएला बरेवरमैन ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में गृहमंत्री थीं। उनकी मां उमा तमिल मूल की थीं और उनके पिता गोवा मूल के कैथोलिक ईसाई थे। लेकिन दोनों परिवार अरसा पहले मार्शल और केन्या में जाकर बस गए थे। वहां से कभी इंग्लैंड जाकर बस गए। वहां की राजनीति में सक्रिय हो गए। उनकी बेटी सुएला बरेवरमैन वकील थीं और वह भी माता पिता की विरासत को संभालती हुई इंग्लैंड की राजनीति में रुचि लेने लगीं। वह कंजर्वेटिव पार्टी के टिकट पर वहां की लोकसभा की सांसद चुनी गईं और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में देश की गृहमंत्री बनीं। लेकिन हमास के आतंकियों ने जब इजरायल के सैकड़ों लोगों को अगवा कर उन्हें मारना शुरू किया तो जाहिर है ब्रिटेन में इसको लेकर रोष होता। लेकिन बरेवरमैन ने तब हमास के पक्ष में मोर्चा संभाल लिया। लोगों के विरोध को देखते हुए ऋषि सुनक ने इसे मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया। ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद बरेवरमैन ने प्रधानमंत्री पद के लिए भी जोर आजमाइश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। 2026 में बरेवरमैन ने पाला बदल लिया। वे 2024 में कंजर्वेटिव पार्टी की टिकट पर सांसद चुनी गई थीं। लेकिन वह 26 जनवरी 2026 को यूके रिफॉर्म पार्टी में शामिल हो गई। यह पार्टी कोई बहुत पुरानी नहीं है। इसका गठन कुछ मित्रों ने आपस में मिल कर 2018 में किया था। बाद में पार्टी का नाम बदल कर यूके रिफॉर्म कर दिया। बरेवरमैन को शायद लगा होगा कि उसके राजीतिक कैरियर और विचारधारा के लिए यही पार्टी उत्तम है। इस नई पार्टी का मत है कि इंग्लैंड में एशिया और अफ्रीका से आकर इतने लोग बस गए हैं कि इससे इंग्लैंड की अपनी संस्कृति और पहचान खतरे में पड़ गई है। इंग्लैंड के आर्थिक साधनों को ये बाहरी लोग खा रहे हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए ताकि इंग्लैंड सुरक्षित रह सके। यही कारण है कि इस पार्टी को रेडिकल कंजर्वेटिव भी कहा जाता है। इसी बीच इंग्लैंड में एक नए विषय पर गोरों के कान खड़े होने लगे। लेबर और कंजरवेटिव दोनों ही पार्टियां चौकन्नी होने लगी थीं कि इस नए मामले का सामना कैसे किया जाए। माफी मांग कर या दुख प्रकट कर छुटकारा पा लिया जाए? यह विषय अफ्रीका में उठा है। एक अफ्रीकी देश जमैका में आजकल बहुत हो हल्ला हो रहा है कि इंग्लैंड जमैका से लोगों को धोखे से अमरीका महाद्वीप के देशों में ले गया और वहां उनको गुलाम बना लिया और उनके साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया। लाखों लोगों की मौत हो गई। अब जमैका में मांग उठ रही है कि इंग्लैंड की सरकार इसका मुआवजा दे। अपनी पुरानी पार्टी को छोड़ कर यूके रिफॉर्म में बरेवरमैन कुछ महीने पहले ही शामिल हुई हैं। जाहिर है उसे वहां अपनी उपस्थिति की घोषणा धमाके से ही करनी थी। इतने धमाके से कि पता चले कि वह इस नए मंच पर आने में चाहे लेट हो गई हों, लेकिन वैचारिक लिहाज से वह पुरानों से भी दो कदम आगे है। वैसे भी नया बना मुसलमान अल्लाह अल्लाह ज्यादा करता है। बरेवरमैन ने जोर शोर से कहना शुरू कर दिया कि भूतकाल में इंग्लैंड ने एशिया और अफ्रीका के देशों पर सैकड़ों साल राज किया था, उनका विकास किया, वहां सडकें, रेल की पटरियां बिछाईं और भवन बनाए। इस विकास पर इंग्लैंड के साधन लगे। अब समय आ गया है कि ये सभी देश इंग्लैंड के इस उपकार का ऋण उतारें और आज की इंग्लैंड सरकार को इसकी भरपाई करें।

विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन और निष्क्रिय हो चुका है : बिजेंद्र प्रसाद यादव

पटना (हिंस)। बांकीपुरसीट पर हो रहे उपचुनाव में जीत का दावा उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने किया है। शुक्रवार को पटना स्थित जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनावाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि बांकीपुर एनडीए की जीती हुई सीट है और उपचुनाव में भी ऐतिहासिक मतों से एनडीए की ही जीत होगी। उन्होंने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे *खजाना खाली* के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि इन आरोपों में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन और निष्क्रिय हो चुका है, इसलिए वे केवल भ्रामक आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। मौके पर मौजूद मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि अपराध के प्रति एनडीए सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। उन्होंने जनसुराज पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन आज उनकी वास्तविकता जनता के सामने है।

...जब प्रोटोकॉल तोड़कर बच्चों से रूबरू हुए प्रधानमंत्री, छात्रा की कैप पर दिए ऑटोग्राफ

ट्रेन में सवार रविदासिया समाज के लोगों ने जताया आभार

जालंधर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जालंधर में स्कूली विद्यार्थियों के साथ कुछ समय व्यतीत किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 75 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण का उद्घाटन करने से पहले प्रधानमंत्री ने अमृतसर के छेहराटा से वाराणसी तक जाने वाली ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन शुरू करने को लेकर पंजाब के दलित समुदाय की वर्षों से मांग चल रही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी माह के दौरान जालंधर के डेरा सच्चखंड बल्लां में दलितों को यह ट्रेन शुरू करने का भरोसा दिया था। शुक्रवार को प्रधानमंत्री जब ट्रेन को भीतर से देखने के लिए सवार हुए, तो उसमें सवार यात्री उत्साहित हो गए। प्रधानमंत्री ने उत्साह व प्रेम को स्वीकार करते हुए यात्रियों से ट्रेन के संबंध में बातचीत की। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में सवार स्कूली छात्राओं से उनके अनुभव जाने। माहौल उस समय भावुक हो गया, जब एक छात्रा ने प्रधानमंत्री से ऑटोग्राफ मांगा, लेकिन न तो उसके पास पैन था और ही पेपर था। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रा की कैप लेकर अपने पैन से उस पर ऑटोग्राफ दिया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेन में सफर कर रहे डेरा सच्चखंड बल्लां के संत निरंजन दास व रविदासिया समाज के लोगों से मुलाकात की। रेल में सवार पहले यात्रियों ने ध्वनि मत से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके लिए रविदास जयंती समारोहों पर वाराणसी जाना आसान हो गया है। संत निरंजन दास व ट्रेन में सवार कई लोगों ने प्रधानमंत्री को गमछा व फूल देकर उनका स्वागत किया। बहुत से लोग यह ट्रेन शुरू होने के अवसर पर भावनात्मक रूप से भावुक भी नजर आए।

देश में इस वर्ष के अंत तक 350 रेलवे स्टेशनों का होगा नवनिर्माण : अश्विनी वैष्णव

अमृत भारत योजना में देश के 1300 स्टेशनों का होगा कायाकल्प

जालंधर (हिंस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि देश में इस वर्ष के अंत तक देश में 350 रेलवे स्टेशनों का नवनिर्माण किया जाएगा। इस दिशा में तेज गति से कार्य चल रहा है। अश्विनी वैष्णव शुक्रवार को जालंधर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रेल मंत्री ने देश में अमृत स्टेशन योजना के तहत नवनिर्मित 75 रेलवे स्टेशनों का उदघाटन करने के बाद भविष्य का रोडमैप पेश किया। रेल मंत्री ने बताया कि आज देश के 20 राज्यों में 75 स्टेशनों का उद्घाटन किया गया है। इनमें पंजाब के जालंधर के अलावा आनंदपुर साहिब तथा साहिबजादा अजीत सिंह नगर रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 1300 रेलवे स्टेशनों ने नवनिर्माण का खाका तैयार किया है, जिनमें से 261 स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। अन्य स्टेशनों के नवीनीकरण का काम चल रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के रेलवे स्टेशनों को आने वाले दशकों की क्षमता व जरूरतों को देखकर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व की केंद्र सरकारों के कार्यकाल के दौरान पंजाब में रेल बजट मात्र 225 करोड़ होता था। केंद्र की मोदी सरकार ने इसको हर साल बढ़ाया और आज यह बजट 5500 करोड़ तक पहुंच चुका है। रेल मंत्री ने बताया कि इस समय पंजाब में 30 हजार करोड़ की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। करीब 1800 करोड़ रुपए की लागत से 30 रेलवे स्टेशनों का नवनिर्माण किया जाएगा। इनमें से जालंधर, आनंदपुर साहिब, मुक्तसर तथा साहिबजादा अजीत सिंह नगर स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। इस समय पंजाब में 12 वंदे भारत तथा चार अमृत भारत ट्रेन चल रही हैं। भविष्य में इनकी संख्या को बढ़ाया जाएगा। रेल मंत्री ने बताया कि पंजाब में शत प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है।

देश के स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों में पांच साल में बढ़ाई जाएंगी 75 हजार मेडिकल सीटें : नड्डा

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि भारत अब विश्व के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सर्वाधिक डॉक्टर तथा मेडिकल प्रोफेशनल तैयार हो रहे हैं। इसी के चलते आगामी पांच साल के भीतर देश के स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों में यूजी तथा पीजी कक्षाओं के लिए 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी। पहले चरण में 25 हजार सीटें बढ़ाई जा चुकी हैं, जिससे देशवासियों को आने वाले समय में डाक्टर तथा मेडिकल प्रोफेशनल मिलेंगे। जेपी नड्डा शुक्रवार को चंडीगढ़ में करीब 4700 करोड़ रुपए की लागत से तैयार स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के उदघाटन एवं आधारशिला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2017 में बनी स्वास्थ्य नीति ने देश के अंतिम पायदान पर बैठने वाले व्यक्ति की चिंता की है। यह पिछली स्वास्थ्य नीति से बिल्कुल अलग थी, इसका विजन अलग था। यह एक व्यापक और समावेशी स्वास्थ्य नीति थी। इसका मकसद सिर्फ़ बीमारों का इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी को रोकना भी था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। आज देश में एक लाख 85 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं। पहले जहां इस देश में 387 मेडिकल कॉलेज होते थे, वहीं आज एक लाख 38 हजार यूजी सीट के साथ 818 मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं। आज देश में 23 से अधिक एक्स कार्य कर रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना आज विश्व की सबसे बड़ी मेडिकल कवरेज वाली योजना साबित हुई है, जिसके माध्यम से 90 करोड़ देशवासियों को आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। इसके माध्यम से अब प्रत्येक नागरिक का हेल्थ ब्यौरा एक क्लिक से उपलब्ध रहेगा। नड्डा ने कहा कि आने वाले समय में चंडीगढ़ पीजीआई समेत देश भर के एम्स तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में बुनियादी ढांचा विकास पर जोर दिया जाएगा।

गोहाना पहुंची देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, पूर्व सांसद का सपना पूरा

सोनीपत (हिंस)। देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन के गोहाना रेलवे स्टेशन पहुंचने पर नागरिकों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने लोगों का नेतृत्व किया। ट्रेन के आगमन पर वैदिक मंत्रोच्चार हुआ तथा लोको पायलटों का पुष्पगुच्छ और गोहाना की प्रसिद्ध जलेबी भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं प्रदीप सांगवान ने कहा कि भाजपा के तीन बार सोनीपत से सांसद रहे स्वर्गीय किशन सिंह सांगवान का प्रधान नरेंद्र मोदी ने सपना पूरा कर दिया। शुक्रवार को डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली यह ट्रेन हरियाणा ही नहीं, पूरे देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आधुनिक तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। उनके अनुसार हाइड्रोजन आधारित परिवहन डीजल पर निर्भरता कम करेगा और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान, तकनीक, नवाचार और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक भारत की पहचान बनेगी। इससे प्रदूषण कम होगा और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस पहल को देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

नीट यूजी 2026 : जयपुर के उपलक्ष्य गोयल बने राजस्थान टॉपर

जयपुर (हिंस)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नीट यूजी-2026 के परिणामों में जयपुर के उपलक्ष्य गोयल ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 3 हासिल कर राजस्थान में टॉप किया है। उन्होंने 720 में से 711 अंक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। यह सफलता उनकी वर्षों की मेहनत, अनुशासित तैयारी और निरंतर अभ्यास का परिणाम मानी जा रही है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र उपलक्ष्य गोयल ने देशभर के लाखों अभ्यर्थियों के बीच तीसरी रैंक प्राप्त कर संस्थान की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया है। उनकी इस सफलता पर परिवार, शिक्षकों और संस्थान में खुशी का माहौल है। नीट यूजी-2026 में आकाश के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम (डीएलपी) के छात्र आर्यन गुप्ता ने 715 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की। वहीं, क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र उपलक्ष्य गोयल ने 711 अंकों के साथ एआईआर-3, आर्यन दुबे ने 710 अंकों के साथ एआईआर-7 और गीतांश सरीन ने 705 अंकों के साथ एआईआर-8 प्राप्त की। इसके अलावा आदित्य शर्मा ने 695 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-76 हासिल की। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक अखिलेश दीक्षित के अनुसार इस वर्ष नीट यूजी-2026 में आकाश के 38 छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप-100 में स्थान बनाया।

पंचायत-निकाय चुनाव में देरी पर गहलोत का सरकार पर हमला

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंचायत और निकाय चुनावों में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रदेश सरकार के लिए इससे अधिक शर्मनाक स्थिति क्या हो सकती है कि चुनावों में देरी पर हाईकोर्ट को यह तक कहना पड़ रहा है कि यदि राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव नहीं करवा सकता तो न्यायालय करवा देगा। गहलोत ने आरोप लगाया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायती राज विभाग को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला आरक्षण संबंधी जानकारी के लिए छह बार पत्र लिखे जाने के बावजूद जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उनके अनुसार यह सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है और इससे प्रतीत होता है कि सरकार चुनाव कराने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय के आदेशों की बार-बार अवहेलना करना संविधान और न्यायपालिका का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि जो सरकार न्यायपालिका का सम्मान नहीं कर सकती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालती है, उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक और संवैधानिक अधिकार नहीं है। गहलोत ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर और चिंताजनक स्थिति बताया।

परिसीमन-महिला आरक्षण पर विपक्ष फिर होगा बेनकाब : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने संसद के मानसून सत्र से पहले परिसीमन और महिला आरक्षण पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने दो टूक कहा कि विपक्ष की चाल क्या है? चरित्र क्या है? जो दोहरे चेहरे वाले लोग हैं, वे पिछले संसद सत्र में बेनकाब हुए थे, अब एक बार फिर होने वाले हैं। शुक्रवार को अपने जोधपुर आवास पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि बढ़ती आबादी के चलते लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। आजादी के बाद संविधान में इसके लिए स्पष्ट व्यवस्था की गई थी। वर्ष 2008 में लागू हुए पिछले परिसीमन एक्ट में यह प्रावधान किया गया था कि वर्ष 2025 के बाद पुन: परिसीमन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के विकास में महिलाओं की केवल सहभागिता ही नहीं, बल्कि उनके सशक्त नेतृत्व को सुनिश्चित करना चाहते हैं। विधायी कार्यों में महिलाओं की भागीदारी को एक्ट ऑफ पार्लियामेंट द्वारा सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से डीलिमिटेशन का होना अत्यंत आवश्यक है। महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के रवैए पर तीखा प्रहार करते हुए शेखावत ने कहा कि जब पिछले सत्र में महिला आरक्षण और इससे जुड़े विषय लोकसभा के पटल पर रखे गए थे, तब विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा और महिलाओं की भागीदारी को रोकने का उनका चाल व चरित्र पूरी तरह बेनकाब हो गया था। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा सत्र शुरू होने के साथ ही जब बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक होगी और सभी दलों के सदस्य सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे तो इस विधेयक को पटल पर लाया जाएगा। शेखावत ने कहा कि विपक्ष के दोहरे चेहरे वाले लोग एक बार फिर देश की जनता के सामने बेनकाब होने के लिए तैयार रहें। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि अब तक निरंतर अनवरत इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में तैयार करने के दृष्टिकोण से जिस तरह से एक सतत साधना चल रही है। उसका परिणाम हम सबने देखा है। देश की सड़कों के हालात बदले हैं। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर 100 फीसदी इलेक्ट्रीफाइड हो गया है। अभी हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन चालू हो गई है। देशभर में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी से ज्यादा हो गई है। जोधपुर और फलोदी का रेलवे स्टेशन मॉडर्नाइज हो रहा है। रामदेवरा का स्टेशन नया रिकंस्ट्रक्ट हो रहा है। जोधपुर में लगभग 1000 करोड़ से ज्यादा के रेलवे के मेंटेनेंस, वॉशिंग, परिचालन और रख-रखाव से जुड़ी हुई गतिविधियों के जोधपुर और जैसलमेर केंद्र बन रहे हैं। पिछले 14 वर्ष में 42 से ज्यादा नई रेल जोधपुर को मिली हैं।

उप्र के बहराइच में 12 वर्षीय बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया, नदी में हाथ पैर धो रहा था किशोर

बहराइच (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में 12 वर्षीय बालक सुनील को मगरमच्छ जिंदा खा गया। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। यह बालक खेत में धान की रोपाई करने के बाद नदी में हाथ पैर धुल रहा था, तभी नदी में मौजूद मगरमच्छ ने बच्चे के सिर को अपने जबड़े में दबोच लिया, बच्चे ने खुद को छुड़ाने का भरपूर प्रयास किया। मौके पर उसके चाचा और ग्रामीणों ने ईंट पत्थर भी मारे लेकिन मगरमच्छ ने बच्चे को नहीं छोड़ा। उसने दो तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका फिर गहरे पानी में खींच ले गया। घटना गुरुवार शाम की है। इसका वीडियो भी शुक्रवार को सामने आया है। थाना प्रभारी टी एन मौर्य ने घटना को पुष्टि की है जबकि वन रेंजर शाकिब अंसारी ने बताया कि मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया है। यह मामला बौंडी थाना क्षेत्र का है। ग्रामीणों के अनुसार 12 वर्षीय बालक सुनील दोपहर दो बजे के करीब अपने चाचा विजयराज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने के बाद देर शाम खेत से लौटते वक्त घाघरा नदी में हाथ पैर धुलने लगा। तभी अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और सुनील को अपना निवाला बना लिया। यह देख चाचा ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुँचे और बच्चे को छुड़ाने का काफी प्रयास किया लेकिन उसने बच्चे को नहीं छोड़ा। ग्रामीणों ने नदी में तलाशी अभियान शुरू किया लेकिन बहाव अधिक होने के कारण बच्चे का पता नहीं चल सका। लगभग पांच घंटे की कड़ी मशक्कत से चले तलाशी अभियान में रात दस बजे बच्चे का क्षत-विक्षत शव घटनास्थल से करीब 300 मीटर दूर नदी में उतराता मिला। शुक्रवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया। उपजिलाधिकारी प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गयी है। परिवार को चार लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

बिहार पंचायत चुनाव : एक साल के लिए टला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 को एक साल के लिए टालते हुए अगले वर्ष जुलाई-अगस्त 2027 में कराए जाने के फैसला किया है। इस फैसले के पीछे सबसे बड़ा कारण 36 वर्षों बाद पंचायतों का नए सिरे से परिसीमन और पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लेकर बनने वाले डेडिकेटेड कमीशन की प्रक्रिया बताई जा रही है। बिहार सरकार के इस फैसले से लाखों पंचायत प्रतिनिधियों, संभावित उम्मीदवारों और ग्रामीण मतदाताओं के बीच नई चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि चुनाव टलने के बावजूद पंचायतों में विकास कार्य नहीं रुकेंगे और वर्तमान जनप्रतिनिधि ही अगले 9 से 10 महीने तक अपने दायित्व निभाते रहेंगे। सरकार ने निर्णय लिया है कि बिहार की सभी ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन कराया जाएगा। यह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाएगा। जानकारी के अनुसार पिछले करीब 36 वर्षों से पंचायत क्षेत्रों का व्यापक परिसीमन नहीं हुआ है, जिसके कारण कई पंचायतों में आबादी का असंतुलन पैदा हो गया है। कहीं बहुत अधिक आबादी वाले वार्ड हैं तो कहीं कम आबादी वाले। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पंचायतों की सीमाएं आबादी के अनुरूप तय की जाएंगी, जिससे प्रतिनिधित्व अधिक संतुलित और न्यायसंगत हो सके। पंचायती राज विभाग के अनुसार अगस्त 2026 से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह कार्य कई चरणों में पूरा होगा और अप्रैल 2027 तक समाप्त होने की संभावना है। इस दौरान पंचायतों, वार्डों और पंचायत समिति क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर आपत्तियां और सुझाव भी लिए जाएंगे, जिसके बाद अंतिम परिसीमन अधिसूचित किया जाएगा। परिसीमन के बाद सरकार पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लेकर एक डेडिकेटेड कमीशन का गठन करेगी। यह आयोग पंचायत चुनाव में पिछड़े वर्गों की भागीदारी और आरक्षण के संबंध में अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट देगा। बताया जा रहा है कि यह कमीशन लगभग 2 से 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। रिपोर्ट मिलने के बाद ही पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इन्हीं तकनीकी और संवैधानिक प्रक्रियाओं के कारण पंचायत चुनाव का पूरा कार्यक्रम लगभग एक वर्ष आगे बढ़ गया है। सरकार ने संकेत दिया है कि पंचायत चुनाव टलने की स्थिति में मौजूदा मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य अगले 9 से 10 महीने तक पंचायतों का कामकाज संभाल सकते हैं। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि सरकार की मंशा तय समय पर पंचायत चुनाव कराने की थी, लेकिन परिसीमन और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नए परिसीमन से पंचायतों में आबादी के अनुसार संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा और सामाजिक तथा भौगोलिक असमानता भी दूर होगी।

समाज में उपलब्ध संसाधनों को साझा करना ही सामाजिक समरसता की पहचान : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने इलाहाबाद संग्रहालय में सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका का उद्घाटन

प्रयागराज (हिंस)। समाज में उपलब्ध संसाधनों और अवसरों को साझा करने की भावना ही वास्तविक संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता की पहचान है। यह बातें शुक्रवार को इलाहाबाद संग्रहालय में सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका का उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं इलाहाबाद संग्रहालय समिति की अध्यक्ष आनंदीबेन पटेल ने कहीं। उन्होंने कहा कि समाज में यदि किसी व्यक्ति के पास किसी वस्तु का अभाव है तो सहयोग और सहभागिता की भावना से उसकी आवश्यकता पूरी की जा सकती है। उन्होंने आत्मनिरीक्षण को जीवन की निरंतर प्रक्रिया बताते हुए सभी से स्वयं का नियमित मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रगीत *वंदे मातरम्* के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों से विद्यार्थियों को उसके भाव और अर्थ से परिचित कराने का आह्वान किया। साथ ही गुजरात की *सुजलाम् सुफलाम्* नहर का उल्लेख करते हुए भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रप्रेम की भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आत्मनिरीक्षण, सहयोग और मानवीय मूल्यों को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने यह भी कहा कि साहित्य, संस्कृति और विरासत का संरक्षण नई पीढ़ी को अपने इतिहास और मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने शुक्रवार को इलाहाबाद संग्रहालय में सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका का उद्घाटन करते हुए उसके पूर्ण डिजिटलीकरण के निर्देश दिए, ताकि देश-दुनिया के अधिक से अधिक लोग इस अमूल्य साहित्यिक धरोहर से जुड़ सकें। संग्रहालय पहुंचने पर राज्यपाल ने सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने नव स्थापित साहित्यिक वीथिका का अवलोकन किया और वहां संरक्षित हिंदी साहित्य की दुर्लभ धरोहरों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने खड़ी बोली और अवधी की भाषायी विशेषताओं पर प्रकाश डाला तथा कविवर सुमित्रानंदन पंत से जुड़े ज्ञानपीठ सम्मान, स्मृति चिह्न एवं वाग्देवी की प्रतिमा का अवलोकन किया। उन्होंने सूर्यकांत त्रिपाठी *निराला* की ऐतिहासिक कलम, परिधान तथा उनकी कृति *आराधना* के तृतीय अध्याय का अध्ययन भी किया। पंत जी की प्रसिद्ध पंक्तियां न जाने नक्षत्रों से कौन, निमंत्रण देता मुझको मौन पढ़ते हुए उन्होंने उसका भावार्थ भी उपस्थित लोगों को समझाया। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि साहित्यिक वीथिका का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जाए, जिससे हिंदी साहित्य की यह समृद्ध विरासत अधिक व्यापक स्तर पर उपलब्ध हो सके। सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका में हिंदी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख रचनाकारों महादेवी वर्मा, मुंशी प्रेमचंद, मैथिलीशरण गुप्त, हरिवंश राय बच्चन, नरेश मेहता, बालकृष्ण भट्ट, श्रीधर पाठक तथा प्रो. रामकुमार वर्मा सहित अनेक साहित्यकारों की दुर्लभ कृतियां, पत्र एवं साहित्यिक सामग्री संरक्षित की गई हैं। राज्यपाल ने संग्रहालय की अनुभव वीथिका का भी अवलोकन किया, जिसे विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए विकसित किया गया है। संग्रहालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने सुमित्रानंदन पंत साहित्यिक वीथिका पर आधारित कैटलॉग का विमोचन किया तथा विभिन्न दिव्यांग विद्यालयों से आए विद्यार्थियों एवं उनकी शिक्षिकाओं को बैग और आम के पौधे वितरित किए। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन एवं एनआरआई निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता *नंदी*, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, उपनिदेशक दिव्यांगजन कल्याण अभय कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक अधिकारी, शिक्षाविद, साहित्यप्रेमी तथा संग्रहालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एफडी वर्सेज बैंक शेयर : 10 लाख रुपए पर 29 लाख! कहां करें निवेश

5 साल में किसने बनाई ज्यादा दौलत, एक्सपर्ट ने बताया किसके लिए कौन सा विकल्प बेस्ट

नई दिल्ली

निवेश के लिए 10 लाख रुपये हों और विकल्प बैंक की फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) या उसी बैंक के शेयर हों, तो पहली नजर में एफडी ही सुरक्षित लगती है। लेकिन पिछले पांच सालों के आंकड़े चौंकाते हैं: कई बड़े बैंकों के शेयरों ने अपनी ही एफडी के मुकाबले कई गुना अधिक रिटर्न दिया है। यह स्थिति निवेशकों के सामने एक नई दुविधा खड़ी करती है- क्या अब शेयरों को सिर्फ उच्च जोखिम वाला विकल्प मानना सही है आइए जानते हैं इस निवेश पहेली का जवाब, आंकड़ों और विशेषज्ञों की राय के साथ। पिछले पांच साल में निवेश किए गए 10 लाख रुपये की तुलना करें तो, जहां बैंक एफडी में औसत 6 फीसदी सालाना रिटर्न के साथ यह रकम करीब 13.4 लाख से 14 लाख रुपए तक पहुंची, वहीं प्रमुख बैंकों के शेयरों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों ने निवेशकों को लगभग 193% का कुल रिटर्न दिया, जिससे 10 लाख रुपये बढ़कर 29.3 लाख रुपए हो गए। इसी तरह एसबीआई और बैंक आफ बड़ौदा ने 136 फीसदी रिटर्न के साथ 23.6 लाख रुपए बनाए, जबकि आईसीआईसीआई बैंक ने 112 फीसदी रिटर्न देकर 21.2 लाख रुपए दिए। हालांकि एचडीएफसी बैंक का रिटर्न सिर्फ 8 फीसदी रहा, जो एफडी से थोड़ा ही बेहतर था। यह डेटा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि अधिकांश बड़े बैंक शेयरों ने एफडी को पछाड़ दिया। लेकिन क्या सिर्फ उच्च रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना समझदारी है विषय विशेषज्ञ इस पर अहम राय देते हैं। उनके मुताबिक, एफडी और बैंक शेयरों की सीधी तुलना करना उचित नहीं, क्योंकि ये दो अलग-अलग तरह के निवेशकों के लिए बने हैं। एफडी उन लोगों के लिए आदर्श है जो पूंजी की सुरक्षा चाहते हैं और जोखिम से बचना पसंद करते हैं। यह इमरजेंसी फंड के तौर पर भी काम करती है, जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सकता है। वहीं बैंक शेयर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो बाजार के उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता रखते हैं और लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न की उम्मीद करते हैं। उनका कहना है कि किसी शेयर द्वारा एफडी से कई गुना ज्यादा रिटर्न देने के बावजूद, यह हर निवेशक के लिए सही विकल्प नहीं हो सकता। हर व्यक्ति की जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के उद्देश्य अलग होते हैं। टैक्स के लिहाज से भी दोनों में अंतर है। एफडी से मिलने वाले ब्याज पर निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स लगता है, जबकि शेयरों पर एक साल से अधिक निवेश रखने पर लान्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लागू होता है, जो कुछ निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। अंततः, सुशील जैन का निष्कर्ष है कि निवेश का चुनाव पूरी तरह से व्यक्ति की जोखिम सहनशीलता, वित्तीय लक्ष्यों और टैक्स स्लैब पर निर्भर करता है।

न्यूज़ ब्रीफ

एमजी ने एमजी गो और साइबर कान्सेप्ट से पर्दा उठाया

नई दिल्ली। एमजी कंपनी ने गुडवुड फेस्टिवल आफ स्पीड 2026 के दौरान अपनी दो नई इलेक्ट्रिक कान्सेप्ट कारों, एमजी गो! और साइबर कान्सेप्ट से पर्दा उठाया है। एमजी गो! भविष्य की बी-सेगमेंट हैचबैक इलेक्ट्रिक कार की झलक पेश करती है, जबकि साइबर कान्सेप्ट उच्च प्रदर्शन वाली डी-सेगमेंट इलेक्ट्रिक एसयूवी की दिशा को दर्शाती है। एमजी ने पुष्टि की है कि एमजी गो! पर आधारित उत्पादन माडल वर्ष 2027 में बाजार में उतारा जाएगा, जबकि साइबर कान्सेप्ट के उत्पादन को लेकर फिलहाल कोई समयसीमा घोषित नहीं की गई है। एमजी गो! को लंदन स्थित एमजी डिजाइन केंद्र में विकसित किया गया है। कंपनी के डिजाइन प्रमुख कार्ल गोथम के नेतृत्व में तैयार इस कान्सेप्ट में एमजीबी जीटी, एमजी मेट्रो टर्बो, एमजी जेडआर और एमजी ईएक्स4 जैसे ऐतिहासिक माडलों से प्रेरित डिजाइन तत्वों को आधुनिक रूप दिया गया है। कार में गोलाकार हेडलाइट, बंद फ्रंट ग्रिल, उभरे हुए व्हील आर्च, बड़े अलाय व्हील और रूफ स्पाइलर जैसे आकर्षक फीचर दिए गए हैं। हालांकि इसकी बैटरी क्षमता, मोटर, ड्राइविंग रेंज और चार्जिंग तकनीक से जुड़ी जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। वहीं, साइबर कान्सेप्ट भविष्य की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का संकेत देती है। इसका डिजाइन ऐतिहासिक ईएक्स181 लैंड स्पीड रिकार्ड कार से प्रेरित बताया गया है। इसमें ढलान वाली छत, चौड़ा बाडी डिजाइन, पूरी चौड़ाई में एलईडी लाइट बार, प्रकाशित एमजी लोगो और बड़ा रियर स्पाइलर इसे बेहद आधुनिक और स्पोर्टी स्वरूप देते हैं। कंपनी का कहना है कि इस माडल को प्रदर्शन, विशाल केबिन और रोजमर्रा की उपयोगिता के संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

होंडा की कारें अगस्त महीने में हो जाएगी महंगी

नई दिल्ली। अगले महीने अगस्त से होंडा कार्स इंडिया की कारों की कीमतें महंगी हो जाएगी। कंपनी कई माडल्स में बढ़ोतरी कर सकती है। नई मूल्य सूची अगले महीने से लागू की जा सकती है। हालांकि अभी तक संशोधित कीमतों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि अलग-अलग माडलों और उनके वैरिएंट के अनुसार कीमतों में बदलाव होगा। तब तक मौजूदा कीमतें ही प्रभावी रहेंगी। सूत्रों के अनुसार, कंपनी की लोकप्रिय सेडान अमेज की कीमत में अन्य माडलों की तुलना में अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। जानकारी के मुताबिक, सभी माडलों पर एक समान मूल्य वृद्धि नहीं होगी। प्रत्येक माडल और उसके वैरिएंट के आधार पर कीमतों में अलग-अलग संशोधन किया जाएगा। कंपनी की आधिकारिक घोषणा के बाद अधिकृत डीलरशिप ग्राहकों को नई कीमतों की जानकारी उपलब्ध कराएंगी। वाहन उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि कच्चे माल, परिवहन, उत्पादन और परिचालन लागत में लगातार वृद्धि के कारण वाहन निर्माताओं पर लागत का दबाव बढ़ा है। इसी वजह से कई कंपनियां समय-समय पर अपने वाहनों की कीमतों में संशोधन कर रही हैं और होंडा का संभावित फैसला भी इसी क्रम का हिस्सा माना जा रहा है। यदि कोई ग्राहक होंडा की नई कार खरीदने की योजना बना रहा है, तो नई कीमतें लागू होने से पहले खरीदारी करना फायदेमंद हो सकता है। वहीं, जिन ग्राहकों ने पहले ही वाहन बुक करा लिया है, उन्हें कंपनी की मूल्य सुरक्षा नीति का लाभ मिल सकता है।

मुंबई के चर्चित पारसी डेयरी फार्म का लाइसेंस निलंबित, महाराष्ट्र में करोड़ों रुपये के खाद्य उत्पाद जब्त

नई दिल्ली। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मुंबई स्थित प्रसिद्ध पारसी डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड का खाद्य कारोबार लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एफएसएसएआई के गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता नियमों के उल्लंघनों के कारण की गई है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। डेयरी में कीड़े-मकौड़ों और चूहों की मौजूदगी जांच में सामने आया कि डेयरी में कच्चे दूध को उतारने के लिए कोई व्यवस्थित जगह नहीं थी, दीवारों पर फंगस जमा थी और कच्चा माल सीधे जमीन पर रखा हुआ था। इसके अलावा वहां कीड़े-मकौड़ों और चूहों की मौजूदगी भी पाई गई। साल 1916 से चल रहे इस मशहूर संस्थान के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि कंपनी फिलहाल फूड सेफ्टी अथारिटी यानी एफएसएसाई के कुछ तकनीकी नियमों और प्रक्रियाओं को पूरा करने के काम में जुटी हुई है।

महंगाई की अग्निपरीक्षा! जून में 18 महीने के उच्चतम स्तर पर, आरबीआई की चुनौतियां बढ़ीं

आरबीआई पर दबावः क्या खत्म होगा ब्याज दरों में कटौती का दौर

नई दिल्ली

जून 2026 में जारी महंगाई के आंकड़ों ने एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंताएं बढ़ा दी हैं। खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.4 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले 18 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। यह सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि परिवहन, शिक्षा और रेस्तरां जैसी सेवाओं तक भी पहुंच गई है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर अब ब्याज दरों में कटौती का दौर खत्म कर, सख्त मौद्रिक नीति अपनाने का दबाव बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जून 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.4 प्रतिशत पर पहुंचना एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह लगातार पांचवां महीना है जब महंगाई बढ़ी है, जो अर्थव्यवस्था में एक सतत वृद्धि की ओर इशारा करती है। चिंता की बात यह भी है कि इसका असर अब सिर्फ शहरों तक नहीं, बल्कि ग्रामीण इलाकों में ज्यादा दिख रहा है। जून में ग्रामीण महंगाई 4.7 प्रतिशत रही, जबकि शहरी महंगाई 3.9 प्रतिशत रही। इसकी मुख्य वजह ग्रामीण परिवारों का अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाने-पीने और रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर खर्च करना है, जिससे उनकी बचत और खर्च करने की क्षमता दोनों पर दबाव पड़ रहा है। इसका नकारात्मक असर एफएमसीजी कंपनियों, दोपहिया वाहन और ग्रामीण बाजार पर निर्भर कारोबार पर भी पड़ सकता है। खाद्य महंगाई में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो जनवरी में 2.1 प्रतिशत से बढ़कर जून तक 5.4 प्रतिशत हो गई। इसके पीछे तीन प्रमुख कारण बताए गए हैं: पहला, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते उर्वरक जैसी खेती की लागत में वृद्धि। दूसरा, कमजोर मानसून, जिसने जून में सामान्य से करीब 40 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की और पिछले 10 साल का सबसे कमजोर जून रहा। इससे तिलहन, दाल और कपास की बुवाई भी काफी कम हुई है, जो आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई को और बढ़ा सकती है। तीसरा कारण पिछले साल के निचले आधार का समाप्त होना है, जिससे इस साल की बढ़ोतरी अधिक स्पष्ट दिख रही है।

फेडरल रिजर्व महंगाई से निपटने पांच विशेष टास्क फोर्स का करेगा गठन

वाशिंगटन। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने कहा है कि महंगाई एक विकल्प है और वादा किया है कि उनके नेतृत्व में लगातार उच्च कीमतों में बढ़ोतरी नहीं रहेगी। इससे यह संकेत मिलता है कि एआई, भू-राजनीतिक तनाव और दूसरे आर्थिक खतरे को लेकर अनिश्चितता के बावजूद कीमतों में स्थिरता वापस लाना अमेरिकी सेंट्रल बैंक की बड़ी प्राथमिकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पदभार संभालने के सात सप्ताह बाद पहली बार सीनेट बैंकिंग समिति के समक्ष अपनी अर्धवार्षिक मौद्रिक नीति सुनवाई में पेश हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को फिर से नियंत्रण में लाने पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों से ज्यादा समय से महंगाई तय लक्ष्य से ऊपर चली गई है। उन्होंने सांसदों से कहा कि महंगाई एक विकल्प है। हमारी समिति के सदस्य लगातार ऊंची महंगाई को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम कीमतों में स्थिरता बहाल करने के लिए पूरी दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी हाल की मीटिंग में मौजूदा आर्थिक हालात का आकलन करने के बाद फेडरल फंड्स रेट को 3.5 से 3.75 फीसदी पर बिना बदलाव के छोड़ने का फैसला किया। वार्श ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया और कहा कि आर्थिक गतिविधि अच्छी रफ्तार से बढ़ रही है, घरों का कंजम्पशन ठीक-ठाक बना हुआ है और इस साल मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट मजबूत हुआ। वार्श ने माना कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक संघर्षों जैसी वजहों से कुछ वस्तुओं की कीमतों में अस्थायी बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि फेडरल रिजर्व की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि ऐसी बढ़ोतरी व्यापक महंगाई का रूप न ले। वार्श ने यह भी घोषणा की कि फेडरल रिजर्व ने पांच विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है, जो संचार व्यवस्था, बैलेंस शीट नीति, आर्थिक आंकड़ों, उत्पादकता और रोजगार, तथा महंगाई से जुड़े ढांचे की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि इन समीक्षाओं का उद्देश्य नीति-निर्माण को बेहतर बनाना है, क्योंकि पिछले 63 महीनों से महंगाई फेड के तय लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हम फेडरल रिजर्व हैं और अपने मिशन को पूरा करने के लिए पहले की तरह पूरी दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध हैं।

सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 सहित 3 फोल्डेबल स्मार्टफोन लांच के लिए तैयार

नई दिल्ली

सैमसंग अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट अपनी नई फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रृंखला से पर्दा उठा सकती है। जानकारी के अनुसार, सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 के साथ कई नए डिवाइस पेश किए जा सकते हैं। प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार में इस लान्च को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि भविष्य में इसका मुकाबला ऐपल के संभावित फोल्डेबल आईफोन अल्ट्रा से हो सकता है। आधिकारिक लान्च से पहले ही सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की कथित पहली झलक सामने आने से चर्चाएं तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, दक्षिण कोरिया के एक सैमसंग एक्सपीरियंस स्टोर में एक नए फोल्डेबल स्मार्टफोन को प्रदर्शित किया गया, जिसे गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 बताया जा रहा है। सामने आई तस्वीरों में यह डिवाइस सफेद रंग के फिनिश के साथ दिखाई देता है।

इसके पिछले हिस्से पर डुअल रियर कैमरा सेटअप भी देखा गया है। हालांकि कंपनी ने अभी तक इस माडल से जुड़ी किसी भी जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रिपोर्टों के अनुसार, इस बार सैमसंग अपनी फोल्डेबल श्रृंखला का विस्तार करते हुए दो के बजाय तीन स्मार्टफोन पेश कर सकती है। इनमें सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8, सैमसंग गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 और सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 वाइड शामिल हो सकते हैं। वहीं, टिप्स्टर आइस यूनिवर्स का दावा है कि नए फ्लिप माडल में पहले की तुलना में अधिक पतले बेज़ल देखने को मिल सकते हैं, जिससे डिस्प्ले अनुभव बेहतर होगा।

दूसरी ओर, ऐपल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन को लेकर भी अटकलों का दौर जारी है। विभिन्न लीक रिपोर्टों में इसे आईफोन अल्ट्रा नाम से जोड़ा जा रहा है। सोशल मीडिया पर ऐपल हब द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कथित फोल्डेबल आईफोन का डिजाइन भी दिखाया गया है, हालांकि ऐपल ने अब तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों कंपनियां प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में आमने-सामने आती हैं तो इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और तेज हो जाएगी।

यामाहा की एफजेड ब्लू फ्लेक्स बाइक चलेगी एथेनाल मिश्रित ईंधन से

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में यामाहा ने अपनी नई एफजेड ब्लू फ्लेक्स मोटरसाइकिल लान्च कर दी है। यह बाइक ई-20 से लेकर ई-85 तक के एथेनाल मिश्रित ईंधन पर चलने में सक्षम है। इसके साथ ही यामाहा इस तकनीक वाले दोपहिया वाहनों की श्रेणी में शामिल हो गई है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.24 लाख रुपये तय की है। शुरुआती चरण में इसकी बिक्री दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु के प्रीमियम डीलरशिप के माध्यम से की जाएगी। नई एफजेड ब्लू फ्लेक्स में 149 सीसी का एयर-कूल्ड, फ्यूल इंजेक्शन तकनीक वाला सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जिसे अधिक एथेनाल मिश्रित ईंधन के अनुरूप तैयार किया गया है। यह इंजन 7,250 आरपीएम पर 11.7 अश्वशक्ति की अधिकतम शक्ति और 6,000 आरपीएम पर 12.8 न्यूटन मीटर का अधिकतम टार्क उत्पन्न करता है। सामान्य माडल की तुलना में इसकी शक्ति और टार्क में मामूली कमी की गई है, ताकि यह उच्च एथेनाल मिश्रण वाले ईंधन के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सके। कंपनी का कहना है कि यह बाइक रोजमर्रा के उपयोग और भविष्य की ईंधन जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। डिजाइन के लिहाज से बाइक में एलईडी हेडलाइट, आकर्षक फ्यूल टैंक, सिंगल सीट, कृत्रिम एयर वेंट डिजाइन, पांच स्पीड गियरबाक्स, टेलिस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन, रियर मोनोशाक और सिंगल चैनल एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार पांचवे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी स्टाक मार्केट में पिछले सत्र के दौरान सेमीकंडक्टर स्टाक्स में हुई जोरदार बिकवाली के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 105.32 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,553.32 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत टूट कर 7,533.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 387.28 अंक यानी 1.47 प्रतिशत लुढ़क कर 25,881.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 334.39 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,218.58 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,572.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,377.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,915.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं दक्षिण कोरिया के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 88 अंक यानी 0.37 प्रतिशत उछल कर 24,183 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में गिफ्ट निफ्टी के अलावा सिर्फ जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 0.68 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,149.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,508.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत टूट कर 1,632.20 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 3,048.54 अंक यानी 4.56 प्रतिशत टूट कर 63,787 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स में भी जोरदार कमजोरी बनी हुई है। फिलहाल यह सूचकांक 2,067 अंक यानी 4.53 प्रतिशत लुढ़क कर 43,557.98 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 498.60 अंक यानी 1.99 प्रतिशत फिसल कर 24,510 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 63.82 अंक यानी 1.64 प्रतिशत गिर कर 3,818.59 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

कोहली और गंभीर के बीच किसी ब्रिज की जरूरत नहीं : सितांशु कोटक

कार्डिफ (यूके)

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, नहीं, विराट और गौतम शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है।

बल्लेबाजी पर हुई थी चर्चा

कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए, तब तक उनकी बल्लेबाजी में ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने फुटवर्क और कुछ अन्य पहलुओं को लेकर मुझसे चर्चा की थी और नेट्स के बाद भी इसी विषय पर बात हुई।

अफवाहों को बताया निराधार

कोटक ने कोहली और गंभीर के रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं को भी सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, इन अफवाहों की बात करें तो मुझे नहीं पता कि ये कहां से आती हैं, लेकिन आती जरूर हैं।

दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने की वापसी

मैच की बात करें तो सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जो रूट ने नाबाद 99 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ 72 रन की अहम साझेदारी की, जबकि गस एटकिंसन 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड ने लक्ष्य लगभग छह ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने विराट कोहली (65) और श्रेयस अय्यर (66) के अर्धशतकों की बदौलत 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 31 और रोहित शर्मा ने 26 रन बनाए, जबकि बीमार केएल राहुल की जगह खेलने वाले ईशान किशन केवल एक रन बना सके।

इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद को दो सफलताएं मिलीं।

न्यूज़ ब्रीफ

पीवी सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में, अब चीन की चेन यूफेई से होगी टक्कर

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी और मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण मुकाबले से हट गई, जिसके चलते सिंधु को वाकओवर मिल गया। इस जीत के साथ सिंधु ने वर्ष 2023 के डेनमार्क ओपन के बाद पहली बार किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। साथ ही यह वर्ष 2026 में उनका तीसरा सेमीफाइनल भी है, जो इस सीजन में उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। सत्र की शुरुआत विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से करने वाली सिंधु अब शीर्ष-10 में वापसी कर चुकी हैं और वर्तमान में विश्व नंबर-9 हैं। सेमीफाइनल में चेन यूफेई से होगी चुनौती सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन यूफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं।

लुइस सुआरेज ने रोनाल्डो नाजारियो को बताया सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9, साझा की तस्वीर

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)। उरुग्वे के स्टार फुटबालर लुइस सुआरेज ने ब्राजील के महान फुटबालर रोनाल्डो नाजारियो के साथ मुलाकात के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9 बताया है।

सुआरेज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रोनाल्डो नाजारियो के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9! रोनाल्डो नाजारियो को फुटबाल इतिहास के महानतम स्ट्राइकरों में गिना जाता है। उन्होंने ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और अपने शानदार करियर के दौरान कई व्यक्तिगत और टीम सम्मान हासिल किए। हैरी केन के साथ भी साझा की थी खास तस्वीर इससे पहले फीफा विश्व कप 2026 के दौरान इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के साथ भी एक खास पल साझा किया था। सुआरेज ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, एक शानदार नंबर-9 के साथ! आपसे मिलकर खुशी हुई। तस्वीर में सुआरेज और केन एक-दूसरे की नंबर-9 जर्सी थामे नजर आए। दोनों दिग्गज स्ट्राइकरों ने गर्मजोशी से मुलाकात की और आपस में जर्सी का आदान-प्रदान किया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई।

टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर डिविलियर्स ने चिन्ता जतायी

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल के सितारों को जमीनी हकीकत समझने की जरुरत है।

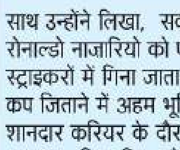

डिविलियर्स ने टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के गिरते हुए प्रदर्शन को लेकर ये बात ही है। डिविलियर्स ने कहा कि आईपीएल में धमाकेदार पारियां खेलने वालों को ये समझना चाहिये कि लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर मे काफी अंतर होता है। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम लिए बिना कहा कि आईपीएल में रनों का पहाड़ बनाने वाले खिलाड़ियों को अब जमीन पर वापस आने की जरूरत है। माना जा रहा है कि उनका संकेत आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ओर था। डिविलियर्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हर समय पांचवें गियर में खेलने का खेल नहीं है क्योंकि यहां कमजोर गेंदबाज नहीं मिलते, बल्कि हर प्रतिद्वंद्वी विश्व स्तरीय होता है। डिविलियर्स ने जोर दिया कि बल्लेबाजों को हालातों के अनुकूल ढलते हुए एक या दो से अधिक गियर में खेलना आना चाहिए। उनके अनुसार भारतीय टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड से मिली हार को देखते हुए अब संभल जाना चाहिये। वहीं भारतीय टीम की हार के बाद से ही मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। ये कहा जा रहा है कि जिस प्रकार से वह टीम में लगातार बदलाव करते हैं वह टीम को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं डिविलियर्स का मानना है कि केवल कोच को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं, बल्कि मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को पाकिस्तान के आबिद से भिड़ेंगे, मुकाबले को लेकर तनाव में आयोजक

कुआलालम्पुर

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में होने वाले एक मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली से भिड़ेंगे। एशिया चैम्पियन एमएमए के तहत होने वाले इस खिताबी मुकाबले को लेकर जहां लोगों में काफी उत्साह है। वहीं मलेशियाई आयोजक समिति के अध्यक्ष इस्माइल मारजुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इनका कहना है कि इस मुकाबले के आयोजन को लेकर वे तनाव में हैं। उनका मानना है कि यह मुकाबला उनके आयोजन को सफल भी बना सकता है और ये भी हो सकता है कि इससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने सख्त सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं। कुआलालंपुर में होने वाले इस हाई-वोल्टेज आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में ज़बरदस्त उत्साह है। टिकटों की बिक्री भी तेज़ी से हो रही है, जिनकी कीमत 50 रिंगित (लगभग 1200 रुपए) से लेकर 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) तक निर्धारित की गई है। आयोजक इस्माइल और मोहम्मद हाकिम टिकटों की बिक्री को लेकर बेहद रोमांचित हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन 1 लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं, जबकि पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि इस फाइट के दौरान एमएमए प्रशंसकों के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जो मुकाबले में एक अलग ही जोश भर देगा। पेशेवर कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से बेहद मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकार्ड भी शानदार रहा है। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी, जिसे उन्होंने गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत महज़ 90 सेकंड में जीत लिया था। इससे पहले, फरवरी 2024 में दुबई में हुई एक रेसलिंग बाउट में भी उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुकाबले में हराया था। यह संग्राम सिंह की चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने ब्यूनस आयर्स में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को महज 1 मिनट 45 सेकंड में हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

असुंता लाकड़ा के आरोपों पर स्वतंत्र जांच की मांग, खेल मंत्रालय से दिलीप टिर्की ने की यह अपील

नई दिल्ली। हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व भारतीय महिला हाकी खिलाड़ी असुंता लाकड़ा द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और डराने-धमकाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए खेल मंत्रालय से स्वतंत्र जांच समिति गठित करने का अनुरोध किया है। तिर्की का कहना है कि चूंकि आरोप हाकी इंडिया के एक पदाधिकारी से जुड़े हैं, इसलिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के जरिए जांच कराने पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। खेल मंत्रालय को भेजा ईमेल खेल मंत्रालय ने हाल ही में हाकी इंडिया को निर्देश दिया था कि वह लाकड़ा की ओर से लगाए गए उत्पीड़न और धमकी के आरोपों की जांच के लिए अपनी आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए। इसके जवाब में बुधवार को खेल मंत्रालय को भेजे गए ईमेल में टिर्की ने कहा, हाकी इंडिया इन आरोपों को बेहद गंभीरता से लेता है और खिलाड़ियों की सुरक्षा, गरिमा और संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हालांकि, चूंकि आरोप हाकी इंडिया के कुछ पदाधिकारियों से जुड़े हैं, इसलिए मामले को हाकी इंडिया की आईसीसी के पास भेजने से जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ सकते हैं। उन्होंने मंत्रालय से आग्रह किया कि मामले की जांच के लिए हाकी इंडिया से असंबद्ध व्यक्तियों की स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, ताकि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से हो सके। हर संभव सहयोग का भरोसा दिलीप टिर्की ने अपने ईमेल में यह भी भरोसा दिलाया कि यदि मंत्रालय स्वतंत्र जांच समिति गठित करता है तो हाकी इंडिया जांच में पूरा सहयोग करेगा। असुंता लाकड़ा ने लगाए हैं गंभीर आरोप इससे पहले असुंता लाकड़ा ने खेल मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हाकी इंडिया यौन उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें डराने-धमकाने के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को संरक्षण दे रहा है। लाकड़ा ने विशेष रूप से हाकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर उन्हें डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। कार्यकारिणी सदस्यों से गोपनीयता बनाए रखने की अपील दिलीप टिर्की ने हाकी इंडिया की कार्यकारिणी के सदस्यों को भी ईमेल भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से जांच पूरी होने तक पूर्ण गोपनीयता बनाए रखने और किसी भी ऐसी टिप्पणी या कार्रवाई से बचने की अपील की, जिससे जांच प्रभावित हो सकती हो।

पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने बताया विराट की सफलता का राज

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपने कौशल और खेलने के तरीकों पर पूरा भरोसा रहता है और इसी कारण वह इतने सफल है। नायर के अनुसार जब विराट खराब दौर से गुजरते हैं तब भी वह अपनी तकनीक पर भरोसा बनाये रखते हैं और किसी प्रकार के बदलाव के बारे में नहीं सोचते। यही उनके महान होने का करण है। नायर ने कहा कि अपने तरीकों पर अटूट भरोसा ही उनकी लगातार सफलता का मूल कारण है।

नायर ने कहा कि आस्ट्रेलिया के दौरे में जब विराट रन नहीं बना पा रहे थे तब भी अपने खेलने के तरीके पर बने हुए थे। नायर का मानना है कि यही अंतर दिग्गज और आम खिलाड़ियों के काम करने के तरीके में होता है। कोहली की मानसिक दृढ़ता और उनके अटूट विश्वास पर प्रकाश डालते हुए, नायर ने कहा कि वह विराट को लंबे समय से जानते हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें समझ आया कि कोहली की महानता का रहस्य उनका दृढ़ भरोसा है, जो किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलता। नायर ने एक घटना का जिक्र किया जब आस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान कोहली संघर्ष कर रहे थे और दो बार शून्य पर आउट हुए थे। उस समय उन्होंने कोहली से संपर्क किया था यह जानने के लिए कि वह इस खराब दौर का सामना कैसे कर रहे हैं। तब कोहली ने काफी शांत तरीके से उनका जवाब दिया था। नायर ने बताया, मैंने उनसे पूछा कि क्या सब ठीक है और क्या वह किसी बात पर चर्चा करना चाहेंगे। उन्होंने बस इतना कहा, नहीं, सब ठीक है। यह खेल का हिस्सा है। उनका आत्मविश्वास जरा भी कम नहीं हुआ था। नायर ने कहा कि उन्होंने कोहली से एक तकनीकी अवलोकन साझा करने की अनुमति मांगी। पर उन्होंने मना कर दिया क्योंकि उन्हें अपने पर पूरा भरोसा था। नायर के लिए, यह घटना बखूबी दर्शाती है कि उन खिलाड़ियों को क्या अलग बनाता है जो लगातार उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। उनका मानना है कि चैंपियन खिलाड़ी अपने वर्षों के अनुभव और अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसे करते हैं खासकर तब जब परिणाम उनके पक्ष में नहीं होते।

2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए कुलदीप को लगातार अवसर दें : अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आगामी 2027 एकदिवसीय विश्वकप में उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने की जरुरत है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि 2027 विश्व कप के संयोजन में अंगुली के दो आलराउंडर फिट नहीं बैठेंगे। ऐसे में टीम को कुलदीप की जरुरत रहेगी उन्होंने भविष्य की रणनीति को लेकर कहा, जब भी कुलदीप के लिए जगह बनेगी, और अगर तेज गेंदबाज हर्षित राणा फिट और अच्छी फार्म में होंगे, तो हर्षित राणा तीसरे तेज गेंदबाज बन जाएंगे। ऐसे में कुलदीप के लिए एक अवसर बन जाएगा। अश्विन ने कहा कि कुलदीप को इसलिए भी टीम में बनाये रखा जाना चाहिये क्योंकि एक मैच विजेता ले स्पिनर हैं। उन्होंने कहा कि 2023 एकदिवसयी विश्व कप में भी कुलदीप ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। वह किसी भी चरण में गेंदबाजी कर सकते है, साथ ही उनका दक्षिण अफ्रीका में भी रिकार्ड अच्छा है।

फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंघम का भावुक संदेश, बोले-एकजुट रहेंगे तो बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के स्टार फुटबालर जूड बेलिंघम ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने टीम को पूरे टूर्नामेंट में मिले शानदार समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए देशवासियों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की।

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर बेलिंघम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि सेमीफाइनल में मिली हार के बाद उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन प्रशंसकों का प्यार और समर्थन उनके लिए बेहद खास रहा।

प्रशंसकों को कहा धन्यवाद

बेलिंघम ने अपने संदेश में लिखा, कल और पिछले कुछ हफ्तों को लेकर सही शब्द ढूंढना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लेकिन हमारे ड्राइवर ने जो कहा, उसने मेरी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। इंग्लैंड में मौजूद सभी लोगों और उन प्रशंसकों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, इस अभियान के साथ हमारे देश में दिखाई दी एकजुटता और प्यार खत्म नहीं होना चाहिए। जब हम साथ होते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं... और हम जरूर करेंगे। आप सभी से प्यार।

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने छीनी जीत

इंग्लैंड का विश्व कप अभियान सेमीफाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की हार के साथ समाप्त हुआ। इंग्लैंड ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई थी, लेकिन अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दाग दिया।

इसके बाद अतिरिक्त समय (स्टापेज टाइम) में लौतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल में पहुंचा दिया, जबकि इंग्लैंड का विश्व कप जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। बेलिंघम के संदेश को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इंग्लैंड के इस युवा स्टार ने विश्वास जताया कि यदि टीम और प्रशंसक इसी तरह एकजुट रहे, तो भविष्य में इंग्लैंड बड़ी सफलताएं हासिल करेगा।

नशे में होने के बाद भी सोबर्स सहित इन दिग्गजों ने बनाये हैं कई रिकार्ड

मुम्बई

हाल के दिनों में जिस प्रकार से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को नाइट क्लबा विवाद के बाद संन्यास पर मजबूर होना पड़ा वैसा पहले के समय के क्रिकेटरों के मामले में नहीं था। इसका कारण है कि आज काफी सख्त नियम हैं और खिलाड़ियों की फिटनेस पर काफी ध्यान दिया जाता है। ऐसे में कोई खिलाड़ी देर रात तक बाहर रहने या शराब पीने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

वहीं पहले के दौर में इस प्रकार के सखत नियम नहीं थे। तब महान आलराउंडर गैरी सोबर्स सहित कुछ खिलाड़ियों के लिए मैदान का अनुशासन उसके बाद के समय से नहीं जुड़ा था। ऐसे में वे रातभर बीच महफिलें सजाते और अगली सुबह भारी सिर व लड़खड़ाते कदमों के साथ मैदान पर उतरकर ऐसा करिश्मा कर जाते थे कि दर्शक हैरान रह जाते थे।

पार्टी के सबसे अधिक शौककीन वेस्टइंडीज के महानतम आलराउंडर गैरी सोबर्स थे। साल

1973 के लाईस टेस्ट का एक बेहद मशहूर किस्सा उनसे जुड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच चल रहा था, लेकिन खेल खत्म होते ही सोबर्स सीधे किसी नाइट क्लब की ओर निकल पड़े। पूरी रात शराब के दौर चले और वह सुबह तड़के होटल लौटे। नींद पूरी होना तो दूर, वह ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे।

जब वह मैदान पर पहुंचे, तो वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी चल रही थी। कप्तान रोहन कन्हाई के आउट होने के बाद जब सोबर्स क्रीज पर पहुंचे, तो उनकी हालत बेहद खराब थी। उन्हें गेंदें सही से दिखाई नहीं दे रही थीं और पेट दर्द से वह बेहाल थे। लेकिन अपनी अद्भुत प्रतिभा के दम पर वे खेलते रहे और देखते ही देखते शतक के करीब पहुंच गए। उन्होंने 150 रनों की बड़ी पारी खेलकर वेस्टइंडीज को मैच में एक पारी और 226 रनों से जीत दिलायी।

सोबर्स ने इससे पहले 1968 में आस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी महिला मित्र के साथ होटल चले गये। दूसरे दिन वह सीधे ही स्टेडियम पहुंचे और बल्लेबाजी के लिए उतर गये। उन्होंने 113 मिनट में तेजी से 132 रन बना दिये। साल 1958-59 के भारत दौरे पर भी उन्होंने रात के दो बजे तक शराब पीने के बाद अगले दिन पांच घंटे तक बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बना दिये। सोबर्स ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे।

अपनी आत्मकथा में गिब्स ने माना है कि उन्होंने अपने करियर के कई बड़े मैचों से कुछ घंटे पहले जमकर शराब पी थी। इसके बावजूद मैदान पर उनके प्रदर्शन में कमी नहीं आई। इंग्लैंड के आक्रामक आलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटाफ को पब और पार्टियों का बेहद शौक था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका एक यादगार टेस्ट शतक तब आया, जब वे पूरी तरह से हैंगओवर में थे। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे।

कई बार मैच की सुबह साइमंड्स गंभीर हैंगओवर में पाए गए, लेकिन उनकी अद्भुत फील्डिंग और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी टीम को कठिन हालातों से बाहर निकाल लाती थी।

प्राचीन नगरी उज्जैन में स्थित हैं भगवान महाकालेश्वर

उज्जैन का इतिहास गौरवमय और प्राचीन है। यहां पर खुदाई में तीन हजार वर्ष पुराने अवशेष मिले हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कितना प्राचीन नगर है। उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर के लिंग की गणना भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में की जाती है। दक्षिणमुखी शिवलिंग होने के कारण यह तंत्र साधना के लिए विशेष महत्व रखता है।

उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर का कलात्मक विशाल शिवलिंग है। यह शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है। ज्योतिर्लिंग के कक्ष में ज्योतिर्लिंगों के अलावा गणेश, कार्तिकेय और माता पार्वती की श्वेत मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर तीन खंडों में निर्मित है। सबसे नीचे के खंड में महाकालेश्वर आसीन हैं। उसके ऊपर के खंड में ओंकारेश्वर शिव का मंदिर है तथा तीसरे खंड में नागचन्द्रेश्वर हैं। जिनके पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु वर्ष में सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन खोले जाते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर के पास ही गणेश जी की विशाल मूर्ति है। यह मूर्ति आधुनिक होते हुए भी आकर्षक और सुंदर है। मंदिर के बीच में पंचमुखी हनुमान जी की सप्त धातु से बनी मूर्ति है। मंदिर में अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियां विद्यमान हैं।

उज्जैन नगर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर क्षिप्रा नदी के किनारे भैरवगढ़ बस्ती है। यहां पर एक टीले पर काल भैरव का मंदिर है। भैरवाष्टमी को यहां विशाल मेला लगता है। भैरवगढ़ नाम इन्हीं भैरव के कारण पड़ा। काल भैरव की मूर्ति भव्य और विशाल है। इस मंदिर को राजा भद्रसेन ने बनवाया था।

उज्जैन रेलवे स्टेशन से लगभग आठ किलोमीटर दूर कालिया देह महल है। 16वीं शताब्दी में मालवा के सुलतान नासिरूद्दीन खिलजी ने सूर्य नारायण के मंदिर को तुड़वाकर उसके स्थान पर पठानी ढंग का यह महल बनवाया था। यहां सूर्यकुंड और ब्रह्मकुंड को तुड़वाकर छोटे-छोटे 52 कुंड बनवाये थे। जब अकबर बादशाह इस स्थान पर आया था उसी समय मुगलिया ढंग का एक दालान बनवाया गया था। वर्षों तक इस सुंदर महल और रमणीय स्थल की ओर किसी का ध्यान नहीं गया और यह स्थल उजड़ने लगा था बाद में सिंधिया परिवार ने इस महल का जीर्णोद्धार करवाया।

उज्जैन नगर भारतीय ज्योतिष का भी मुख्य केन्द्र रहा है। हजारों वर्ष पहले राजा जयसिंह ने यहां एक यंत्र महल बनवाया था जिसे वैधशाला और जंतर मंतर कहा जाता है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम, श्री मंगलनाथ मंदिर, चिंतामन गणेष मंदिर, संतोषी माता मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

उज्जैन मालवा के बीच में स्थित होने के कारण देश का नाभिस्थल कहलाता है। उज्जैन नगर पश्चिम रेलवे का प्रमुख स्टेशन है। यहां से भोपाल, रतलाम, इंदौर, नागदा आदि स्टेशनों को जाने वाली गाड़ियां मिलती हैं। उज्जैन सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। बस या अपने निजी वाहन से यहां सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यहां यात्रियों के ठहरने के लिए सैंकड़ों होटल, लॉज और धर्मशालाएं हैं। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन द्वारा बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए उज्जैन दर्शन की प्रतिदिन व्यवस्था की गई है।

फास्ट फूड खाने से हो सकता है संक्रमण

फास्ट फूड से केवल मोटापे और अधिक वजन का खतरा नहीं होता। इससे संक्रमण भी हो सकता है। हाल में मैक्सिको के एक लोकप्रिय फास्ट फूड श्रृंखला की स्टर्लिंग (वर्जीनिया) स्थित फ्रेंचाइजी को उस समय बंद करने की नौबत आ गई जब उसके उत्पाद में नोरोवायरस के संक्रमण की शिकायत सामने आई। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर आप फास्ट फूड ले ही रहे हैं तो क्या-क्या सावधानी बरतें

आप भी खाते हैं तो...

कच्ची सब्जियां, अधपके खाद्य से बचें

कई लोग सोचते हैं कि बर्गर की बजाय सलाद या सब्जियां लेने से फास्ट फूड से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। लेकिन रेस्टोरेंट में मिलने वाले ऐसे उत्पादों से किसी हानिकारक जीवाणु का संक्रमण हो सकता है। इसलिए कच्ची सब्जियों वाले सलाद या अधपके खाद्य न लें। जो भी चीज से गर्मागर्म लें।

खाद्य को बनता हुआ देखें

जहां से भी आप फास्ट फूड लें, वहां उसके बनने की प्रक्रिया को देखना सुनिश्चत करें। इसस आप जान सकेंगे कि आप जो चीज खाने वाले हैं उसको बनाने में स्वच्छता के आवश्यक मानकों का पालन किया गया है या नहीं। मसलन खाद्य तैयार करने वाले ने दस्ताने पहन रखे थे या नहीं ।

हेपेटाइटिस का टीका लें

किडनी को प्रभावितत करने वाला हेपेटाइटिस ए वायरस खाद्य और पानी के जरिये फैलता है। अब बच्चे को बचपन में कई टीके लगाए जाते हैं। लेकिन 14-15 की उम्र के बाद अमूमन ऐसा नहीं होता। ऐसे में आपका खाद्य बनाने वाले से या सीधे खाद्य से हेपेटाइटिस ए के पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है

जगह का चुनाव अहम

किसी भी तरह का खाद्य लेने के सिलसिले में जगह का चुनाव अहम है। अर्थात यह तय करें कि आप जिस जगह से खाद्य साम्रगी ले रहे हैं वह साफ-सुथरी होनी चाहिए। इसके बावजूद अगर कोई कमजोरी महसूस कर रहा है या बीमार पड़ता है तो उसको डॉक्टर से तुरंत दिखाना चाहिए।

नोरोवायरस का संक्रमण

स्टर्लिंग स्थित एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट में बीते सोमवार खाना खाने के बाद करीब 60 लोगों को मितली, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई थी। ये सब नोरोवायरस से संक्रमण के लक्षण थे। साल 2015 में भी कुछेक फास्ट फूड उत्पादों से ई-कोलाई के संक्रमण के मामले कई बार सामने आए थे।

नोरोवायरस क्या है

» यह बेहद संक्रामक वायरसों के समूह का सामूहिक नाम है

» मितली, उल्टी व दस्त इसके संक्रमण के सामान्य लक्षण हैं

» इसको ठंड के दिनों में फैलने वाला वायरस माना जाता रहा है

» पर अक्तूबर से मार्च के दौरान भी इसका प्रसार देखा गया है

» इसका संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है

बालों में तेल की बजाय घी लगा कर देखें

काफी लाभ होगा

सेहत के लिए फायदेमंद घी में पोषक तत्वों की भरमार है। आपने खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए तो खूब घी खाया होगा। लेकिन क्या कभी बालों की चमक और लंबाई बढ़ाने के लिए घी बालों में लगाया है? अगर नहीं, तो फिर देर ना करें... घी के चमत्कारिक गुण सिर्फ ज़ायका ही नहीं बालों की सुंदरता भी बढ़ाते हैं। घी बालों के लिए वरदान समान है। घी की मालिश करने से बाल जल्दी बढ़ते हैं। अगर बालों की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना चाहती हैं तो घी जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके बाल यकीनन ही लंबे, मुलायम और घने हो जाएंगे। घी को बालों में रोजाना लगाना जरूरी नहीं है, 10-15 में एक बार ही घी से बालों की मसाज करें।

जानते हैं बालों में घी की मालिश करने के फायदे

1. बालों की रूसी मिटाने के लिए अनेकों कोशिशें कर हार चुकी हैं तो कहीं दूर नहीं, बस किचन तक जाने की जरूरत है। बालों की जड़ों मे घी और बादाम के तेल की मालिश करें। ये नुस्खा आजमाने से रूसी के साथ स्केल्प से ड्राइनेस भी दूर हो जाएगी।
2. बाल काढ़ते वक्त अगर बेहद उलझते और टूटते हैं तो घी में थोड़ा जैतून का तेल मिलाकर मालिश करना फायदेमंद साबित होगा।
3. बेजान और रुखे बालों की प्राकृतिक चमक वापस लाने के लिए घी को गुनगुना गर्म करें फिर बालों की जड़ों में अच्छे से मसाज करें।
4. दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घी की मसाज करें, यकीन मानिए इससे बालों को काफी फायदा होगा।
5. लंबे बालों की चाहत को हकीकत में बदलना चाहती हैं तो आज से ही बालों की जड़ों में घी की मालिश करें।

सुझाव

ब्लैक हेड्स दूर करने के घरेलू नुस्खों

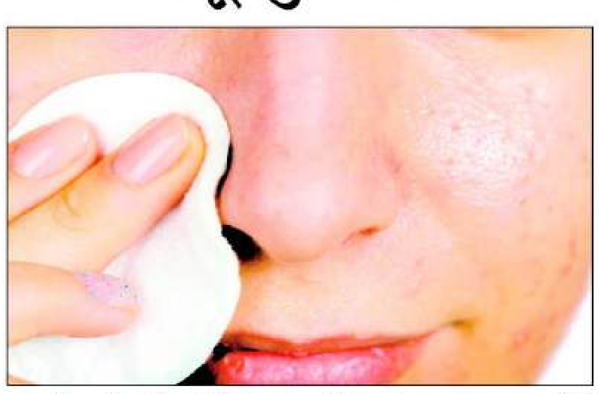

कई बार ऐसा होता है कि आप अपनी त्वचा का खास ख्याल रखते हैं फिर भी ब्लैक हेड्स की समस्या पैदा हो जाती है। चेहरे पर होने वाले ब्लैक हेड्स ना सिर्फ आपकी खूबसूरती को बिगाड़ते बल्कि त्वचा के लिए भी नुकसानदेह हो सकते हैं। ऐसे में आपको त्वचा का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ब्लैक हेड्स की समस्या आमतौर पर धूल-मिट्टी, हाइजीन की कमी, स्ट्रेस, नींद पूरी न होना और पोषण की कमी के चलते होते हैं।ब्लैक हेड्स की समस्या को दूर करने के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इन्हें कभी भी दबाकर न निकालने की गलती ना करें। इससे त्वचा पर निशान पड़ जाते हैं जो बड़ी मुश्किल से जाते हैं। न सिर्फ ब्लैकहेड्स बल्कि वाइटहेड्स और पिंपल्स को भी कभी ऐसे नहीं निकालना चाहिए। इसके बाद इन निशानों को दूर करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

इन उपायों को अपनाने के बाद ब्लैक हेड्स की समस्या से निजात पा सकते हैं। ये उपाय पूरी तरह से सुरक्षित और असरकारी भी हैं।

- शहद को हल्का गर्म करें और 10 से 15 मिनट तक ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर लगाएं और फिर पानी से धो लें।
- तीन चम्मच पानी में तीन चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और त्वचा पर कुछ मिनटों के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर इसे हल्के गर्म पानी से साफ करें।
- दिन में तीन बार ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर नींबू का रस लगाएं, इससे भी ब्लैकहेड्स साफ हो जाते हैं।
- ओट्स और गुलाब जल मिलाकर मास्क बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे पानी से साफ कर लें।
- कच्चे आलू की स्लाइस से ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर हल्की मसाज करें। इससे ब्लैकहेड्स हट जाते हैं और त्वचा साफ रहती है।
- अंगूर को अच्छे से मैश करके पेस्ट बना लें और उसे ब्लैक हेड्स के ऊपर लगाएं और 15-20 मिनट तक सूखने दें और उसके बाद गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें।
- ब्लैक हेड्स पर अंडे का सफेद भाग लगाएं और थोड़ी देर के बाद जब ये सूख जाए, तो चेहरे को बेसन से साफ कर लें।
- रात को सोने से पहले अपने चेहरा को साफ करना न भूलें। इससे त्वचा पर मुंहासे और ब्लैक हेड्स नहीं होंगें।
- ब्लैक हेड्स से छुटकारा पाने के लिए खीरे के रस में नींबू के रस की कुछ बूंदे मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।
- धनिया की पत्तियों को कर पेस्ट बना लें और अब इस पेस्ट में थोड़ा हल्दी पाउडर मिला कर एक पेस्ट बनाकर तैयार करें और उसे ब्लैकहेड्स के ऊपर लगा दें। ऐसा करने से ब्लैकहेड्स जड़ से दूर हो जायेंगे।
- हफ्ते में एक बार जरूर चेहरे पर फेस स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें। चेहरे को स्क्रब करने से त्वचा पर जमी धूल-मिट्टी साफ हो जाती है। और त्वचा से ब्लैक हेड्स भी साफ हो जाते हैं।
- चेहरे से ब्लैकहेड को हटाने के लिये आप मैश किया हुआ केला या फिर केले के छिलके को चेहरे पर रगड़ कर इस्तेमाल कर सकते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर है स्वास्थ्यवर्धक त्रिफला

त्रिफला तीन श्रेष्ठ औषधियों हरड, बहेडा व आंवला को मिलाकर बना मिश्रण है। यह प्रकृति का अनमोल उपहार है। त्रिफला सर्व रोगनाशक, रोग प्रतिरोधक और आरोग्य प्रदान करने वाली औषधि है। त्रिफला एंटी-बायोटिक और एंटी-सेप्टिक भी है। त्रिफला का प्रयोग शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन बनाए रखता है। यह रोजमर्रा की आम बीमारियों के लिए बहुत प्रभावकारी औषधि है फिर चाहे वह सिर का रोग हो या चर्म रोग, रक्त दोष हो मूत्र रोग या फिर पाचन संस्थान संबंधी रोग। यह सभी रोगों का रामबाण है। त्रिफला के स्वास्थ्य लाभ

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और इसके कारण वह बार-बार बीमार पड़ते है। उन लोगों को त्रिफला का सेवन करना चाहिए। त्रिफला के सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है । जिससे शरीर को बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है। प्रतिरोधक क्षमता से शरीर बाहरी तत्वों के खिलाफ आसानी से लड़ सकता है। त्रिफला, शरीर में एंटीबॉडी के उत्पादन को बढ़ावा देता है । जो शरीर में एंटीजन के खिलाफ लड़ते है और बॉडी को बैक्टीरिया मुक्त रखते है।

पेट के रोगों के लिए अमृत

त्रिफला की तीनों जड़ीबूटियां आंतरिक सफाई को बढ़ावा देती हैं। त्रिफला के चूर्ण को गौमूत्र के साथ लेने से अफारा, उदर शूल, प्लीहा वृद्धि आदि अनेकों तरह के पेट के रोग दूर हो जाते है।

कब्ज में कारगर

कब्ज की समस्या होने पर त्रिफला बेहद कारगर होता है। इसे खाने से कब्ज की काफी पुरानी समस्या भी दूर भाग जाती है। रात को सोते समय त्रिफला चूर्ण हल्के गर्म दूध अथवा गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। अथवा त्रिफला को भूसी के दो चम्मच मिलाकर शाम को गुनगुने पानी से लेने से भी कब्ज दूर होती है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाए

अगर आपको एनीमिया से पीड़ित है। तो त्रिफला का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। नियमित रूप से त्रिफला का सेवन करने से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बढ़ती है। जिससे शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ने लगता है।

एंटी-ऑक्सीडेंट है त्रिफला

त्रिफला में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण उम्र के असर को बेअसर करते है। त्रिफला के सेवन से उम्र बढ़ाने वाले कारक कम होते है। जिसके कारण आप उम्र से ज्यादा जवां दिखते हैं।

डायबिटीज के लिए उपयोगी

डायबिटीज के उपचार में त्रिफला बहुत प्रभावी होता है। यह पेनक्रियाज को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे इंसुलिन की मात्रा उत्पन्न होती है और शरीर इंसुलिन की उचित मात्रा और शर्करा के स्तर को बनाए रखता है।

मुंह की दुर्गन्ध दूर करें

अगर आप मुह से आती की दुर्गन्ध से परेशान है तो त्रिफला आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। इसके लिए एक चम्मच त्रिफला को एक गिलास ताजे पानी मे दो-तीन घंटे के लिए भिगो दे, इस पानी को घूंट भर मुंह में थोड़ी देर के लिए डाल कर अच्छे से कई बार घुमाये और इसे निकाल दें। इसके अलावा कभी कभार त्रिफला चूर्ण से मंजन भी करें इससे मुंह आने की बीमारी, मुंह के छाले ठीक होंगे, अरूचि मिटेगी और मुंह की दुर्गन्ध भी दूर होगी।

सिरदर्द दूर भगाएं

इस समस्या से बचने के लिए त्रिफला आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए त्रिफला, हल्दी, नीम की छाल और गिलोय इन सब को पानी में तब तक पकाएं जब तक कि पानी आधा रह जाए। बाद में इसे छानकर कुछ दिन तक सुबह शाम गुड या शक्कर के साथ सेवन करने से सिर दर्द कि समस्या दूर हो जाती है।

त्वचा की समस्याओं में मददगार

त्वचा संबंधी समस्या होने पर त्रिफला काफी मददगार होता है। त्रिफला, बॉडी से विषाक्त पदार्थो को बाहर निकाल देता है जिससे ब्लड साफ होता है और त्वचा पर होने वाली समस्याओं से आसानी से दूर हो जाती है। शरीर में किसी प्रकार के संक्रमण को होने से भी रोकता है।

जानकारी

इन चीजों में छिपा है पुरूषों के फिटनेस का राज

फिटनेस पाना आपकी चाहत तो होती है, लेकिन क्या आप उसके लिए मेहनत भी करते हैं। जानिए कैसे पुरुष कुछ आसान तरीकों को अपनाकर फिटनेस का खजाना हासिल कर सकते हैं। फिटनेस को लेकर हमारे समाज में जागरुकता का अभाव साफ देखा जा सकता है। किसी के लिए फिटनेस का अर्थ जिम जाकर बॉडी बनाना होता है, तो किसी के लिए फिटनेस का अर्थ बस किसी तरह मोटापे की गिरफ्त से दूर रहना भर ही होता है। इस लेख के जरिये हम जानेंगे कि आखिर फिटनेस है क्या और पुरुष कैसे इस फिटनेस को हासिल कर सकते हैं। फिटनेस का अर्थ अच्छी बॉडी होना भर ही नहीं है। फिटनेस शारीरिक और मानसिक दोनों पैमानों पर परखी जानी चाहिए। बेशक किसी का शरीर पतला हो, लेकिन अगर वह रोगमुक्त है और मानसिक रूप से शांत है, तो उसे अनफिट तो नहीं कहा जा सकता।

आहार है आधार: फिटनेस के लिए जरूरी है कि आहार और व्यायाम के बीच सही संतुलन बनाया जाए। आहार ऐसा होना चाहिए । जिससे आपको पूरा पोषण मिले। आहार आपके तन मन को ऊर्जा प्रदान करने वाला होना चाहिए। हृदयघात के खतरे को कम करने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही आप अपने खान-पान के तौर-तरीके को भी बदले। भोजन में सेचूरेटेड फैट, अधिक मात्रा में नमक और फैटी डेयरी प्रोडक्ट का प्रयोग कम कर दे। इसके बदले में अपने भोजन में प्रचुर मात्रा में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करे।

व्यायाम रखे बीमारियों से दूर: व्यायाम व्यक्ति को कई बीमारियों से दूर रखता है। नियमित तौर पर व्यायाम करने से हृदय रोग और स्मरण शक्ति ह्रास से बचा जा सकता है। इसके साथ व्यायाम डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हदृयघात, कॉलोन कैंसर और तनाव को भी नियंत्रित करता है। कई शोध इस बात को प्रामाणित कर चुके हैं कि नियमित व्यायाम करने वाले लोगों को बीमारियों का खतरा कम रहता है। वहीं शारीरिक रूप से कम सक्रिय रहने वाले लोगों को रोगग्रस्त होने की आशंका अधिक होती है।

अच्छा मूड बनाए रखें

तनाव मुक्त रहना फिटनेस के लिए बेहद जरुरी है। आप तीस मिनट पैदल चलकर भी तनाव से मुक्ति बना जा सकता है। शारीरिक गतिविधियों के जरिये मूड अच्छा रहता है।साथ ही व्यक्ति स्वयं को प्रसन्नचित और तनावमुक्त महसूस करता है। नियमित एक्सरसाइज से व्यक्ति में आत्मविश्वास भी बढ़ता है। तनाव को दूर करने के लिए आप योग और ध्यान के जरिये भी तनाव को दूर करे। अपने मूड को अच्छा बनाए रख सकते हैं।

आदतें सुधारें फिट रहें: धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन भी आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होता है। 45 वर्ष की आयु के बाद व्यक्ति को डायबिटीज और हृदय रोग होने का खतरा अधिक होता है। इसके साथ ही उम्र के इस पड़ाव में रक्तचाप भी व्यक्ति को अधिक प्रभावित करता है। ऐसे में आपको चाहिए कि एल्कोहल और धूम्रपान से दूर रहें। ऐसा करके आप स्वयं को कई बीमारियों के संभावित खतरे से दूर रख सकते हैं।

मोटापा बड़ा खतरनाक: दुनिया भर में अब मोटापे को बीमारी के रूप में देखा जाता है। और यह स्वयं भी कई बीमारियों के लिए गड्डे को तैयार करता है। मोटापा डायबिटीज, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की मुख्य वजह माना जाता है। ये सभी बीमारियां अन्य कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देती हैं। मोटापे को दूर करने के लिए आपको अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही नियमित तौर पर व्यायाम करने से भी इस पर काबू किया जा सकता है। कई बार मोटापा अनुवांशिक होता है, ऐसे में आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)